ज्येष्ठ कृष्ण - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 297 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 27-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी की 'मज़बूत' सरकार ने 'मजबूर' संप्रग की जगह ले ली : नड्डा

6 वीर सावरकर : स्वतंत्रता आंदोलन का एक हिंदुत्ववादी चेहरा

7 प्रोडशन में उतरने की जल्दबाजी नहीं : सोनाक्षी

फर्स्ट टेक

सरकार ने थल सेना प्रमुख जनरल पांडे को एक महीने का सेवा विस्तार दिया

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के बीच, सरकार ने रविवार को एक असमान्य कदम उठाते हुए थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को एक महीने का सेवा विस्तार दे दिया और अब वह 30 जून तक इस पद पर बने रहेंगे। जनरल पांडे 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले थे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने जनरल पांडे के एक महीने के सेवा विस्तार को मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सेना नियम 1954 के नियम 16ए(4) के तहत, थल सेना प्रमुख जनरल मनोज सी पांडे को एक महीने का सेवा विस्तार दिया है, जो उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख (31 मई) से आगे 30 जून तक है।''

गाजा से हमास ने दागे रॉकेट, तेल अवीव में बजे सायरन

देर अल-बला (गाजा पट्टी)/एपी। हमास ने पिछले कुछ महीनों में पहली बार रविवार को गाजा से रॉकेट दागे जिसके बाद इजराइल के तेल अवीव में हमले के सायरन बज उठे। जनवरी के बाद गाजा से किए गए पहले लंबी दूरी के रॉकेट हमले में किसी के हताहत होने या क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है। फलस्तीनी चरमपंथियों ने तब से गाजा सीमा के पास समुदायों को निशाना बनाकर छिटपुट तरीके से रॉकेट और मोर्टार दागना जारी रखा है। हमले का दावा हमास की सैन्य शाखा ने किया। इजराइली सेना ने कहा कि दक्षिणी गाजा शहर रफह के क्षेत्र से दागे गए आठ रॉकेट इजराइल में गिरे। उसने कहा गया कि कई रॉकेट को बीच में ही रोक दिया गया। इससे पहले रविवार को राहत सहायता के साथ ट्रकों ने दक्षिणी इजराइल से गाजा में प्रवेश किया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या मानवीय सहायता समूह इलाके में जारी लड़ाई के कारण सहायता पहुंचा सकेंगे।

सूडान में सेना और विद्रोही अर्धसैनिक बल के बीच संघर्ष में 100 से अधिक लोगों की मौत

काहिरा/एपी। सूडान के पश्चिम में स्थित दारफुर क्षेत्र में सेना और एक विद्रोही अर्धसैनिक बल के बीच पिछले दो सप्ताह से जारी संघर्ष में कम से कम 123 लोग मारे गए हैं। एक अंतरराष्ट्रीय सहायता समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। 'डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' ने कहा कि अल-फसर शहर में हुए इस संघर्ष के दौरान 930 से अधिक लोग घायल हुए हैं। समूह ने कहा कि यह संख्या संघर्ष की भयावहता को दर्शाती है।

27-05-2024 सूर्यास्त 6:30 बजे | 28-05-2024 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
75,410.39	22,957.10
(-7.65)	(-10.55)

सोना	चांदी
7,466 रु.	96,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्याकुल प्रतिभाएं

नक्काल हो रहे हाईटेक,
प्रतिभाएं व्याकुल पढ़ने से।
आरक्षित कोटे रोक रहे,
मेधा को आगे बढ़ने से।
हो रहा पतन विद्वानों का,
नेताओं के मद चढ़ने से।
मच रही लूट आपाधापी,
अपने-अपने हित गढ़ने से।।

केकेआर बना आईपीएल 2024 चैम्पियन

सनराइजर्स हैदराबाद फाइनल में 18.3 ओवर में महज 113 रन पर ढेर हो गयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद वेंकटेश अय्यर के नाबाद अर्धशतक से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के एकतरफा फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर तीसरा खिताब अपनी झोली में डाला।

केकेआर ने गौतम गंभीर की कप्तानी में 2012 और 2014 में आईपीएल ट्राफी जीती थी। अब गुरु गंभीर ने कुशल रणनीतिकार के तौर पर केकेआर को तीसरी ट्राफी दिलायी। केकेआर इस तरह चेन्नई सुपर किंग्स (पांच) और मुंबई इंडियंस (पांच) के बाद तीन आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बनी।

गंभीर के अलावा मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने इस खिताब को दिलाने में अहम भूमिका निभायी जो जानते हैं कि रणजी ट्राफियां कैसे जीती जाती हैं।

इस सत्र का सबसे बड़ा स्कोर (तीन विकेट पर 287 रन) बनाने वाली सनराइजर्स हैदराबाद फाइनल में लड़खड़ा गयी और टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के बाद 18.3 ओवर में महज 113 रन पर ढेर हो गयी। यह आईपीएल फाइनल का सबसे कम स्कोर भी रहा। इस सत्र में शुरू से दबदबा बनाने वाले केकेआर के लिए यह लक्ष्य बनाना महज औपचारिकता थी, उसने वेंकटेश अय्यर (नाबाद 52 रन) और रहमनुल्लाह गुरबाज (39 रन) की मदद से यह स्कोर 10.3 ओवर में दो विकेट पर 114 रन बनाकर हासिल कर लिया।

वेंकटेश अय्यर ने 26 गेंद में चार चौके और तीन छक्के लगाये जबकि गुरबाज ने 32 गेंद में पांच चौके और दो छक्के जड़े। गुरबाज ने स्टंप के पीछे तीन शानदार कैच भी लपके। वह अपनी बीमार मां को देखने के लिए टूर्नामेंट के बीच में काबुल भी गये थे।

कप्तान के तौर पर यह श्रेयस अय्यर का दूसरा फाइनल था, उन्होंने तीन गेंद में नाबाद 06 रन बनाये।

केकेआर की जीत के नायक रहे उसके गेंदबाज जिसमें मिचेल स्टार्क नीलामी में मिली रिकॉर्ड राशि को सही साबित करते हुए तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट चटकाये। आंद्रे रसेल ने मध्य के ओवरों में शिकंजा कसा और 2.3 ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट झटके।

हर्षित राणा ने चार ओवर में एक मेडन से 24 रन देकर दो विकेट हासिल किये।

केकेआर की शानदार गेंदबाजी के सामने सनराइजर्स हैदराबाद का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत काफी खराब रही, उसने पहले दो ओवरों में अपने सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा (02) और ट्रेविस हेड (शून्य) के विकेट गंवा दिये जिससे स्कोर दो ओवर में दो विकेट पर छह रन था।

लीग चरण की निराशा के सही समय पर वापसी करने वाले स्टार्क ने आसमान पर छाये बादलों की परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। स्टार्क ने पहले ही ओवर में शानदार गुड लेंथ गेंद पर अभिषेक के ऑफ स्टंप उखाड़ दिये जबकि अगले ओवर में वैभव अरोड़ा की गेंद पर हेड के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज के हाथों में समां गयी। हेड पिछले चार मैचों में तीन बार शून्य पर आउट हुए हैं। राहुल त्रिपाठी (09) भी स्टार्क की गेंद पर रमनदीप सिंह को कैच देकर पवेलियन लौट गये। पावरप्ले खत्म होने तक सनराइजर्स हैदराबाद का स्कोर तीन विकेट पर 40 रन था। स्टार्क ने 24.45 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनके पहले स्पैल (3-0-14-2) से उनकी इस कीमत की भरपायी भी हो गयी। हर्षित राणा ने नितीश रेड्डी (13) और रसेल ने एडेन मार्कराम (20) के विकेट झटके। हेनरिक क्लासेन (17 गेंद, 16 रन) को राणा ने आउट किया जिनसे सनराइजर्स हैदराबाद को थोड़े आक्रामक खेलने की उम्मीद थी। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद की 2016 के बाद दूसरा खिताब जीतने की उम्मीद टूट गयी। सनराइजर्स हैदराबाद ने 62 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे। इसके बाद कोई उम्मीद नहीं बची थी और कप्तान पैट कमिंस ने 24 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे।

भारत में बहुसंख्यक समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहता है 'इंडि' गठबंधन : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनका 'इंडि' गठबंधन भारत में बहुसंख्यक समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहता है।

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को यहां मऊ जिले के रतनपुरा स्थित भुड़सुरी मेवाडी कला में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के घोसी क्षेत्र के उम्मीदवार अरविंद राजभर, बलिया क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज शेखर और सलेमपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद व उम्मीदवार रवींद्र कुशवाहा के समर्थन में एक संयुक्त चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

भोजपुरी में अपने भाषण की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, ''पूर्वांचल की यह धरती पराक्रम और क्रांति की धरती है। यह वह इलाका है जहां मंगल पांडेय का साहस है, जहां महाराजा सुहेलदेव का पराक्रम है और स्वर्गीय चंद्रशेखर जी की मुखर आवाज है। ऐसे में पूर्वांचल के लिए तो इस चुनाव का महत्व दोगुना है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस के परिवारवाद ने पूर्वांचल को माफिया, अभाव, गरीबी व लाचारी का क्षेत्र बना दिया था लेकिन 10 साल से पूर्वांचल देश का प्रधानमंत्री चुन रहा है। सात साल से उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री चुन रहा है और इसलिए पूर्वांचल सबसे खास है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 'इंडि' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के लोगों ने जमीनों पर कब्जा किया और यहां दंगाइयों को ताकत दी। उन्होंने कहा कि जो माफिया के लिए आंसू बहाते हैं, ऐसे लोगों को पूर्वांचल में पैर नहीं रखने देना है।

मोदी ने कहा, ''एक जून को मतदान से पहले हमारा पूर्वांचल मन बना चुका है कि भाजपा को जिताना है, राजग को जिताना है। पूर्वांचल के गरीब बेटे को ताकत देना जो आपकी सेवा में दिन रात एक कर रहा है। पूर्वांचल उसे ताकत नहीं देगा जो आपको गरीब बनाए रखना चाहते हैं।''

पूर्वी दिल्ली में बच्चों के अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत

अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन किची और डॉ. आकाश गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गयी और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल लाइसेंस की अवधि समाप्त हो जाने और अग्निशमन विभाग से मंजूरी नहीं मिलने के बाद अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने रविवार को बताया कि उन्होंने अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन किची और डॉ. आकाश को गिरफ्तार कर लिया है। उसने बताया कि डॉ. आकाश शनिवार रात घटना के वक्त ड्यूटी पर थे।

जिलाधिकारी (शाहदरा) ऋषिता गुप्ता द्वारा दिल्ली मंडल आयुक्त को सौंपी गई एक रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय अस्पताल में 12 बच्चे भर्ती थे। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 को आसपास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां छह को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना में जान गंवाने वाले बच्चों में चार लड़के और तीन लड़कियां शामिल हैं। 25 दिन के एक बच्चे को छोड़कर अन्य सभी 15 दिन के थे।

पुलिस ने कहा कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया है।

विवेक विहार पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन और व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य) और 304ए (लापरवाही से मौत), 304 (गैर इरादतन हत्या के लिए सजा) और 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, लेकिन जांच जारी है। दिल्ली सरकार ने अग्निकांड की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। एक आदेश में, संभागीय आयुक्त अश्विनी कुमार ने शाहदरा की जिलाधिकारी को घटना की जांच करने का निर्देश दिया। पुलिस ने कहा कि लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के अलावा, अस्पताल में योग्य डॉक्टर भी नहीं थे और अग्निशमन विभाग से कोई मंजूरी भी नहीं ली गई थी।

प्रधानमंत्री ने दुख जताया, दो-दो लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्वी दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने की घटना को हृदय विदारक बताते हुए प्रत्येक मृतक के लिए दो-दो लाख रुपये अनुग्रह राशि की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने की घटना हृदय विदारक है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं हादसे में घायल होने वालों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली के अस्पताल में आग लगने की घटना के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की है कि प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। पीएमओ ने कहा कि प्रत्येक घायल को 50,000-50,000 रुपये दिए जाएंगे।

अगले कार्यकाल में होगा यूसीसी और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का क्रियान्वयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने पर सभी पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद अगले पांच वर्ष के भीतर पूरे देश के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी।

शाह ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अगली सरकार अपने अगले कार्यकाल में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करेगी क्योंकि देश में एक साथ चुनाव कराने का समय आ गया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से खर्च भी कम होगा।

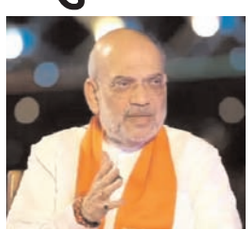

चुनाव को सर्दियों या साल के किसी अन्य समय में आयोजित करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा, ''इस पर विचार किया जा सकता है। यदि हम कोई एक चुनाव प्रीपोन (निर्धारित समय से पूर्व) कराते हैं तो यह किया जा सकता है। यह किया भी जाना चाहिए। यह छात्रों की छुट्टी का समय भी होता है। यह बहुत सारी समस्याएं भी पैदा करता है। समय के साथ, चुनाव (लोकसभा) धीरे-धीरे इस अवधि (गर्मियों के दौरान) में होने लग गए।''

समान नागरिक संहिता के बारे में बात करते हुए शाह ने कहा, ''समान नागरिक संहिता एक जिम्मेदारी है जो हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा स्वतंत्रता के बाद से हमारी संसद और हमारे देश के राज्य विधानसभाओं पर छोड़ी गई है।'' उन्होंने कहा, ''संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता शामिल है। और उस वक्त भी के एम मुंशी, राजेंद्र बाबू, आंबेडकर जी जैसे कानूनविदों ने कहा था कि एक पंथनिरपेक्ष देश के अंदर धर्म के आधार पर कानून नहीं होना चाहिए।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ईसाइयों पर हमला मामले में 25 लोग गिरफ्तार

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने कुरान की कथित बेअदबी के मुद्दे पर अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के सदस्यों और पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में रविवार को 450 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया और उनमें से 25 को आतंकवाद और अन्य आरोपों के तहत गिरफ्तार किया। कट्टरपंथी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में गुस्साई भीड़ ने शनिवार को लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर पंजाब प्रांत के सरगोधा जिले के मुजाहिद कॉलोनी में ईसाई समुदाय के सदस्यों पर हमला कर दिया था। इस हमले में ईसाई समुदाय के दो सदस्य और 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

आधी आबादी को देंगे पूरा हक : खरगे

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महिला सशक्तीकरण को पार्टी की प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को पूरा सम्मान देने के साथ ही आधी आबादी को उनका पूरा हक दिया जाएगा।

खरगे ने ट्वीट कर कहा नारी न्याय लिखेगा महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय।

कांग्रेस ने महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को दूर करने, उनके अधिकारों को बनाए रखने और उन्हें मज़बूत बनाने का संकल्प लिया है। महालक्ष्मी गारंटी योजना लागू कर इसी साल एक जुलाई से हर महीनें, कांग्रेस ने प्रत्येक गरीब परिवार को बिना शर्त 8,500 रुपये नकद हस्तांतरण करने का संकल्प लिया है। इस तरह हर ग़रीब महिला के बैंक खाते में एक साल में एक लाख़ रुपये आएंगे जिससे उन्हें पढ़ाई, दवाई, कमाई की सहूलियत मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर आधी आबादी को पूरा हक़ दिया जाएगा।

देश में भीषण गर्मी का कहर

देश के बड़े हिस्से में रविवार को भीषण गर्मी का कहर देखने को मिला और 37 शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। महाराष्ट्र के अकोला में लू की आशंका को देखते हुए जिलाधिकारी अजीत कुंभार ने 31 मई तक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू कर दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश और गुजरात के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया। राजस्थान का फलौदी लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म स्थान रहा जहां अधिकतम तापमान 49.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

'वर्क फ्रॉम होम' के बारे में सुना है, 'वर्क फ्रॉम जेल' के बारे में पहली बार सुना : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उन्होंने ''वर्क फ्रॉम होम'' (घर से काम करने) के बारे में तो सुना है लेकिन ''वर्क फ्रॉम जेल'' (जेल से काम करने) के बारे में वह पहली बार सुन रहे हैं।

फतेहगढ़ साहिब से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार गेजा राम वाल्मीकि के समर्थन में खन्ना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''यहां 'आप' (आम आदमी पार्टी) सत्तारूढ़ है। आपको इस बारे में ज्यादा बताने की जरूरत नहीं है कि वह किस तरह का काम कर रही है।'' सिंह ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा, ''दिल्ली में भी 'आप' सरकार है, लेकिन 'आप' नेता को शराब घोटाले को लेकर जेल में डाल दिया गया था।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि अगर किसी भी नेता पर कोई आरोप लगता है तो उसमें तब तक के लिए अपने पद से इस्तीफा देने का नैतिक साहस होना चाहिए जब तक वह आरोपों से मुक्त न हो जाए। उन्होंने कहा कि यही नैतिकता है। सिंह ने कहा, ''...'आप' नेता केजरीवाल को शराब घोटाले में जेल हुई थी। उसके बाद भी वह कहते हैं कि वह मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। वह कहते हैं कि वह जेल से काम करेंगे।'' उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को एक जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है और उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने एवं वापस जेल जाने का निर्देश दिया है। लोकसभा चुनाव के तहत सात चरणों में मतदान जारी हैं और एक जून को आखिरी चरण का मतदान होगा। सिंह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''मैं कार्यालय से काम करने के बारे में जानता हूं, मैंने 'वर्क फ्रॉम होम' के बारे में सुना है, लेकिन 'वर्क फ्रॉम जेल' के बारे में मैं पहली बार सुन रहा हूं।'' उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना हजारे के नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद आम आदमी पार्टी का गठन करने को लेकर भी केजरीवाल पर निशाना साधा।

सिंह ने कहा कि जब केजरीवाल अन्ना हजारे के साथ मिलकर आंदोलन कर रहे थे, तो हजारे ने उनसे कहा था कि यह आंदोलन कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ है और इसकी सफलता का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं किया जाना चाहिए और किसी राजनीतिक दल का गठन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''लेकिन केजरीवाल ने अपने गुरु की ही बात नहीं मानी और उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) बना ली।'' सिंह ने दावा किया कि केजरीवाल ने कहा था कि अगर वह मुख्यमंत्री बने तो सरकारी आवास में कभी नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा, ''लेकिन बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री आवास को 'शीश महल' में बदल दिया और उस पर जनता के करोड़ों रुपये खर्च किए।''

मोदी ने 22 लोगों का करोड़ों का कर्ज माफ किया लेकिन हिमाचल को रुपए नहीं दिए : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 साल में 22 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज माफ कर दिया, लेकिन वह पिछले साल मॉनसून में बारिश के कारण आई आपदा से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश को 9,000 करोड़ रुपये नहीं दे सके। हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिले के नाहन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि प्रदेश की मदद करने के बजाय मोदी ने राज्य की चुनी हुई सरकार को ''कब्जाने'' की कोशिश की। उन्होंने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में बाढ़ से निपटने के लिए केंद्र द्वारा मुहैया कराई गई सहायता का कांग्रेस सरकार द्वारा अनुचित वितरण किए जाने का आरोप लगाया था और इसके खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया था।

शिमला (सुरक्षित) संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी के समर्थन में नाहन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि मोदी ने सेब की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सभी भंडारण सुविधाओं को एक व्यक्ति को सौंप दिया।

यह संदर्भ स्पष्ट रूप से उद्योगपति गौतम अडाणी की ओर था, जिनकी कंपनी के पास राज्य में कोल्ड स्टोरेज हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि जब भी नरेन्द्र मोदी शपथ लेते हैं, अडाणी के स्वामित्व वाली कंपनियों के शेयर की कीमतें बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार में सिर्फ 22 लोगों के सपने पूरे हुए हैं, जबकि देश की जनता का भला नहीं हुआ है। गांधी ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री कहते हैं कि भगवान उनसे काम कराते हैं। शायद भगवान चाहते हैं कि मोदी अडाणी की मदद करें।'' कांग्रेस नेता ने तंज करते हुए कहा, ''मैं मोदी से पूछना चाहता हूं कि क्या यह भावना या बीमारी उनके मन में सुबह, शाम आती है या पूरे दिन रहती है।''

जम्मू-कश्मीर में हुआ रिकॉर्ड तोड़ मतदान मोदी के नेतृत्व में आए बदलाव को दर्शाता है:रैना

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविन्दर रैना ने रविवार को कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में सभी पांच निर्वाचन क्षेत्रों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में आए बदलाव को दर्शाता है। जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रैना ने कहा कि उनकी पार्टी बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हाल में संपन्न चुनाव में खासकर कश्मीर घाटी में मतदान को लेकर देखा गया रुझान आगामी चुनावों में भी जारी रहेगा।

शनिवार को अनंतनाग-राजौरी सीट पर मतदान संपन्न होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में पांच संसदीय क्षेत्रों में अभूतपूर्व 58.11 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले 35 वर्षों में सबसे अधिक था। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, बंपर मतदान नए जम्मू-कश्मीर का प्रमाण है जो मोदी के नेतृत्व में शांति, समृद्धि, भाईचारे और विकास के पथ पर चल रहा है। मोदी सरकार स्थानीय लोगों के दिलो-दिमाग में सुरक्षा की भावना पैदा करने में कामयाब रही है। रैना ने कहा कि जम्मू क्षेत्र की दो सीटों पर हमेशा उच्च मतदान दर्ज किया गया है, लेकिन कश्मीर में मतदान पैटर्न में बदलाव बेहद सराहनीय है।

चुनाव नतीजों को लेकर अनिश्चितता, एफपीआई ने मई में अबतक शेयरों से 22,000 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयरों से 22,000 करोड़ रुपये की भारी निकासी की है। इससे पहले मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि को लेकर चिंता के बीच एफपीआई ने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। वहीं एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। आगे चलकर जैसे-जैसे चुनाव के मोर्चे पर चीजें स्पष्ट होंगी, एफपीआई की भारतीय बाजार में लिवाली बढ़ेगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि एफपीआई की लिवाली का सिलसिला चुनावी नतीजों से पहले भी शुरू हो सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (24 मई तक) शेयरों से शुद्ध रूप से 22,047 करोड़ रुपये निकाले हैं।

भारतपे, फोनपे ने 'पे' पर चल रहे सभी ट्रेडमार्क विवादों को निपटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों... भारतपे समूह और फोनपे समूह ने प्रत्यय 'पे' के साथ ट्रेडमार्क के उपयोग से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे सभी कानूनी विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया है। दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, भारतपे और फोनपे पिछले पांच वर्षों के दौरान कई अदालतों में लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवादों में रही हैं। यह समझौता सभी खुली न्यायिक कार्यवाही को समाप्त कर देगा।

बयान में कहा गया कि भारतपे और फोनपे ने लंबे समय से चले आ रहे सभी ट्रेडमार्क विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया। बयान के अनुसार, अगले कदम के रूप में पार्टियों ने ट्रेडमार्क रजिस्ट्री में एक-दूसरे के खिलाफ सभी विरोधों को वापस लेने के लिए पहले ही कदम उठा लिया है, जिससे उन्हें अपने संबंधित ट्रेडमार्क के पंजीकरण के साथ बढ़ने में मदद मिलेगी। भारतपे के निदेशक मंडल के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा, ''यह उद्योग के लिए एक सकारात्मक कदम है। मैं दोनों पक्षों के प्रबंधन द्वारा दिखाई गई परिपक्वता और व्यावसायिकता की सराहना करता हूं, जो सभी बकाया कानूनी मुद्दों को हल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और मजबूत डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में अपनी ऊर्जा और संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।''

दोनों संगठन दिल्ली उच्च न्यायालय और मुंबई उच्च न्यायालय के समक्ष सभी मामलों के संबंध में समझौते के तहत दायित्वों का पालन करने के लिए अन्य आवश्यक कदम उठाएंगे। फोनपे के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर निगम ने कहा, ''मुझे खुशी है कि हम इस मामले में एक सौहार्दपूर्ण समाधान पर पहुंच गए हैं। इस नतीजे से दोनों कंपनियों को आगे बढ़ने और समग्र रूप से देश के वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग को बढ़ाने पर हमारी सामूहिक ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने में लाभ होगा।''

भारत का 2023-24 में शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में नौ के साथ व्यापार घाटा

नई दिल्ली/भाषा। भारत को वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान चीन, रूस, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया समेत शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में नौ के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। व्यापार घाटा, आयात और निर्यात के बीच का अंतर है।

आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि बीते वित्त वर्ष में 2022-23 की तुलना में चीन, रूस, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के साथ घाटा बढ़ गया। दूसरी ओर यूएई, सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया और इराक के साथ व्यापार घाटे में कमी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 85 अरब डॉलर, रूस के साथ 57.2 अरब डॉलर, दक्षिण कोरिया के साथ 14.71 अरब डॉलर और हांगकांग के साथ 12.2 अरब डॉलर हो गया। चीन के साथ दोतरफा व्यापार 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर रहा, और वह अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया।

फडणवीस और शाह ने लोकसभा चुनाव में गडकरी के खिलाफ काम किया: राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/नागपुर/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा चुनाव में नितिन गडकरी को हराने के लिए काम किया। राउत के दावे पर भाजपा और नागपुर से कांग्रेस उम्मीदवार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

राउत ने आरोप लगाया कि फडणवीस को जब एहसास हुआ कि नागपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे गडकरी को नहीं हराया जा सकता, तो उन्होंने उनके लिए अनिच्छा से प्रचार किया। नागपुर भाजपा के दोनों नेताओं का गृहनगर है। उन्होंने लिखा, मोदी, शाह और फड़नवीस ने नागपुर में गडकरी की हार के लिए काम किया। उन्होंने पार्टी के मुखपत्र सामना में एक लेख में लिखा, मोदी, शाह और फडणवीस ने नागपुर में गडकरी की हार के लिए काम किया। जब फडणवीस को एहसास हुआ कि उन्हें हराया नहीं जा सकता, तो वे अनिच्छा से गडकरी के लिए अभियान में शामिल हुए। नागपुर में आरएसएस के लोग खुलेआम कह रहे हैं कि फडणवीस ने गड़करी को हराने में विपक्ष की मदद की। महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल से 20 मई तक पांच चरण में मतदान हुआ। उन्होंने कहा, भाजपा एक पार्टी नहीं बल्कि एक परिवार है। जिन लोगों ने हमेशा गुटबाजी की राजनीति की है, वे पारिवारिक बंधनों को कभी नहीं समझ पाएंगे।

गोवा : सड़क किनारे झुग्गियों से टकराई बस, 4 मजदूरों की मौत

पणजी/भाषा। दक्षिण गोवा जिले के एक औद्योगिक इलाके में एक निजी बस ने सड़क किनारे स्थित दो झुग्गियों को टक्कर मार दी जिससे चार मजदूरों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना शनिवार रात करीब 11.30 बजे वर्ना इलाके में हुई जब सड़क निर्माण कार्य में लगे मजदूर झुग्गियों के अंदर सो रहे थे। पुलिस उपाधीक्षक संतोष देसाई ने कहा कि बस चालक की पहचान पास के गांव कार्टोलिम निवासी भरत गोवेकर के रूप में हुई है। चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। चालक की मेडिकल जांच से पुष्टि हुई है कि घटना के समय वह शराब के नशे में था। एक मजदूर ने दावा किया कि बस चालक उस समय शराब के नशे में था और उसने मजदूरों को धमकी दी कि यदि घटना के बारे में किसी से शिकायत करेंगे तो उन्हें जान से मार देगा।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में आईईडी विस्फोट में दो महिलाएं घायल

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कथित तौर पर नक्सलियों द्वारा लगाए गए एक आईईडी में रविवार सुबह विस्फोट होने से दो महिलाएं घायल हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण जी चव्हाण ने बताया कि यह घटना छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर से लगभग 450 किलोमीटर दूर जगरगुंडा पुलिस थानाक्षेत्र के सुदूर भीमपुरम गांव में हुई। उन्होंने बताया, ''प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आईईडी नक्सलियों का था और गांव के एक मकान में रखा हुआ था जिसमें विस्फोट होने से महिलाएं घायल हो गईं।''

सरकार का दूरसंचार कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली सभी इनकमिंग अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने रविवार को जारी बयान में कहा कि यह बताया गया है कि जालसाज भारतीय नागरिकों को भारतीय मोबाइल नंबर दिखाकर अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल कर रहे हैं और साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी कर रहे हैं।

बयान के अनुसार, प्रतीत होता है कि ऐसी कॉलें भारत के भीतर से उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन विदेशों से साइबर अपराधियों द्वारा सीएलआई में हेरफेर करके की जा रही हैं और फर्जी डिजिटल गिरफ्तारियों, फेडएक्स घोटाले, ड्रग्स या कूरियर में नशीले पदार्थों, सरकारी और पुलिस अधिकारी बनकर बात करने, डीओटी या ट्राई अधिकारी बनकर मोबाइल नंबरों को बंद करना, आदि जैसे हाल के मामलों में इसका दुरुपयोग किया गया है। बयान के अनुसार, डीओटी और टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों की पहचान करने और उन्हें किसी भी भारतीय टेलीकॉम ग्राहक तक पहुंचने से रोकने के लिए एक प्रणाली तैयार की है। अब ऐसी आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों को रोकने के लिए टीएसपी को निर्देश जारी किए हैं। दूरसंचार विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार भारतीय लैंडलाइन नंबरों के साथ आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों को टीएसपी द्वारा पहले से ही ब्लॉक (प्रतिबंधित) किया जा रहा है।

भाजपा सरकार के तहत लोगों के जीवन में कोई प्रगति नहीं हो रही: प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फतेहगढ़ साहिब/पटियाला (पंजाब)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि अगर देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है तो लोगों के जीवन में प्रगति क्यों नहीं हो रही। फतेहगढ़ साहिब सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अमर सिंह के समर्थन में पंजाब में अपनी पहली जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ''सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए झूठ बोलने और जनता से खोखले वादे करने'' का आरोप लगाया। प्रियंका ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में 70 करोड़ युवा बेरोजगार हैं और बेरोजगारी 45 साल में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत सरकारी क्षेत्र में 30 लाख पद रिक्त हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''वह (मोदी) मंचों पर बड़े-बड़े दावे करते हैं कि अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। मैं पूछना चाहती हूं कि यदि इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है तो आपके (लोगों के) जीवन में प्रगति क्यों नहीं हो रही। आपके बच्चों को नौकरी क्यों नहीं मिली? प्रियंका ने कहा, ''महंगाई इतनी ज्यादा क्यों बढ़ गई है। अगर देश तेजी से प्रगति कर रहा है तो यहां की इस्पात कारखाने बंद क्यों हो रहे हैं। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाकर उद्योग को कमजोर क्यों किया जा रहा है। मध्यम वर्ग और आपको राहत पहुंचाने के लिए एक भी योजना नहीं है।''

उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से कहा, और महंगाई इतनी क्यों बढ़ गई है। अगर देश तेजी से प्रगति कर रहा है तो यहां के इस्पात कारखाने क्यों बंद हो रहे हैं। जीएसटी लगाकर उद्योग को कमजोर क्यों किया जा रहा है? मध्यम वर्ग और आपकी राहत के लिए एक भी योजना नहीं है। सिर्फ टीवी पर प्रगति दिख रही है, आपके जीवन में कोई प्रगति नहीं हो रही।

कांग्रेस नेता ने भाजपा पर जनता का बिल्कुल भी सम्मान न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे आपकी समस्याओं के बारे में नहीं बोलते हैं। वे यह नहीं बताते हैं कि वे महंगाई को नियंत्रित करने और बेरोजगारी कम करने के लिए क्या कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, वे यह नहीं बताते कि पंजाब में महिलाएं असुरक्षित क्यों महसूस कर रही हैं। वे यह नहीं बताते कि पंजाब में मादक पदार्थों की समस्या इतनी क्यों बढ़ गई है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सिर्फ उनकी पार्टी (कांग्रेस) जनता की बात करती है। उन्होंने कहा, मोदी जी सत्ता के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

आग लगने का मामला: राजकोट गेम जोन के छह साझेदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। गुजरात के राजकोट शहर में गेम जोन में आग लगने से 27 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने इसके छह साझेदारों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

राजकोट के पुलिस आयुक्त राजू भार्गव ने संवाददाताओं को बताया कि स्थानीय पुलिस ने नवंबर 2023 में गेमिंग जोन के लिए बुकिंग लाइसेंस दिया था, जिसे एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया था।

अधिकारी ने कहा, गेम जोन को सड़क और भवन विभाग से अनुमति मिल गई थी। इसने अग्निशमन संबंधी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने के लिए अग्नि सुरक्षा उपकरण का प्रमाण भी जमा किया था।

इस पर काम प्रक्रिया में था और अभी तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि गेम जोन में अग्नि सुरक्षा उपकरण थे लेकिन आग पर काबू पाने के लिए की गई कार्रवाई पर्याप्त नहीं थी, जिससे शनिवार को त्रासदी हुई।

अधिकारियों ने पूर्व में कहा था कि नाना मावा इलाके में टीआरपी गेम ज़ोन में शनिवार शाम लगी भीषण आग में चार बच्चों सहित 27 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य झुलस गए। उन्होंने कहा कि घटना के समय लोग वहां गर्मी की छुट्टियों का आनंद लेने के लिए एकत्र हुए थे।

मादक पदार्थ तस्करी के 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने फाजिल्का जिले में मादक पदार्थ की तस्करी के अंतरराष्ट्रीय 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है और 5.47 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। राज्य के शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्कर के संपर्क में थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान के दौरान पुलिस ने 1.70 लाख रुपये नकद और 40 कारतूस भी बरामद किए। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल गिरोह के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए फाजिल्का पुलिस और बीएसएफ ने एक संयुक्त अभियान में मादक पदार्थ की तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ किया है और 5.47 किलोग्राम शुद्ध श्रेणी की हेरोइन, मादक पदार्थों के जरिये अर्जित 1.70 लाख रुपये, 40 कारतूस और अन्य चीजें जब्त करने के साथ सात तस्करों को गिरफ्तार किया है।'' जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्कर के संपर्क में थे।

देश की स्वतंत्रता, संविधान और लोकतंत्र खतरे में : केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता, संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने पंजाब के लोगों से आह्वान किया कि वे इनको बचाने के लिए एक बार फिर सबसे आगे रहें। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता ने कहा कि पंजाब के लोगों ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई है।

फिरोजपुर में व्यापारियों और उद्योगपतियों के साथ एक 'टाउनहॉल' कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा, ''आजादी के लिए अनेक लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। लेकिन आज हमारे देश की स्वतंत्रता, संविधान और लोकतंत्र खतरे में है।''

दिल्ली आबकारी नीति मामले में अंतरिम जमानत पर एक जून तक के लिए जेल से बाहर आए केजरीवाल ने पंजाब के लोगों से समर्थन मांगा और कहा कि उन्हें इस देश में संविधान, लोकतंत्र और आजादी को बचाने की लड़ाई में सबसे आगे रहने की जरूरत है। अपनी गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''आम चुनाव की 16 मार्च को घोषणा हुई और 21 मार्च को उन्होंने मुझे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने मुझे, मेरी पार्टी के नेताओं संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन को गिरफ्तार कर लिया तथा इसके बाद मोदी दिल्ली में कहते हैं कि चलो अब चुनाव लड़ें।'' भाजपा पर हमला बोलते हुए केजरीवाल ने कहा, ''हमारे देश के अंदर भी अब तानाशाही हो रही है। यदि इस समय हम मोदी को नहीं हराते हैं तो लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित नहीं रहेगा। मैं खुद के लिए नहीं आया हूं, मैं यहां देश को बचाने की अपील करने के लिए आया हूं।'' पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप के पास प्रचंड बहुमत होने के बावजूद अगर वह विधानसभा में पारित विधेयकों को रोक सकते हैं तो यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी।

आप नेता ने कहा, ''देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। हम सिर्फ एक वक्त भोजन कर सकते हैं, लेकिन हम तानाशाही बर्दाश्त नहीं कर सकते।''

एनआईटी त्रिची के छात्रों ने 'सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार' जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली की एक छात्रों की टीम ने हाल ही में संपन्न हुए सोलर डेकाथलॉन इंडिया (एसडीआई) 2024 के फाइनल में विजय प्राप्त की।

डॉ. के. थिरुमारन के नेतृत्व में और डॉ. ए. मीनाची सुंदरम की सलाह पर टीम ईकोओआरबी ने अपनी मनोरम फिल्म प्रस्तुति के लिए प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार' जीता। एसडीआई पूरे भारत में छात्र टीमों के लिए एक प्रसिद्ध नेट-जीरो निर्माण चुनौती है। इस वर्ष के संस्करण में पांच बिल्डिंग डिवीजनों और एक उत्पाद डिजाइन डिवीजन में प्रतिस्पर्धा करने वाली 175 टीमों की प्रभावशाली भागीदारी देखी गई। पीआईबी ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि 16 से 19 मई तक इंफोसिस मैसूर परिसर में आयोजित ग्रैंड फिनाले में प्रत्येक डिवीजन के छह फाइनलिस्टों ने दीर्घकालिक इमारतों के लिए अपने अभिनव डिजाइनों का प्रदर्शन किया।

टीम इकोओआरबी की विजेता टीम ने अपने गहन मानवीय संबंध से जूरी को प्रभावित किया। उनकी फिल्म, इसकी कल्पना, स्पष्टता और प्रेरक कहानी के लिए सराहना हुई, जो एनआईटी पुडुचेरी में निर्माण श्रमिकों के आवास के डिजाइन पर केंद्रित थी। टीम में वास्तुकला, सिविल इंजीनियरिंग, और ऊर्जा और पर्यावरण पृष्ठभूमि के छात्रों का एक विविध समूह शामिल था, जिसने दीर्घकालिक निर्माण समाधानों के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। टीम प्रारूप में बदलाव कर रही है और परिसर में निर्माण श्रमिकों/गार्डरूम द्वारा उपयोग के लिए एनआईटी तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ. जी अधिला के मार्गदर्शन के आधार पर उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग कर रही है। निदेशक ने विजेताओं को बधाई दी। डीन, एचओडी और संकायों ने भी टीम की उपलब्धि की सराहना की। सोलर डेकाथलॉन इंडिया (एसडीआई) एक वार्षिक प्रतियोगिता है जो भविष्य की पीढ़ियों को स्थायी निर्माण प्रथाओं के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए सशक्त बनाने के लिए आयोजित की जाती है।

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी सोलर डेकाथलॉन से प्रेरित, एसडीआई प्रदर्शन-आधारित डिजाइन पर केंद्रित है और छात्रों को अत्याधुनिक बिल्डिंग सिमुलेशन सॉफ्टवेयर से लैस करता है। रियल एस्टेट डेवलपर्स और उद्योग जगत के नेताओं के साथ साझेदारी करके, एसडीआई एक स्थायी भविष्य के बाजार के लिए तैयार नेट-जीरो-ऊर्जा और जल भवनों के विकास को बढ़ावा देता है।

त्रिची में साढे चार लाख पेड़ लगाने के लिए ईशा का कावेरी आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिची। तमिलनाडु के मंत्री के.एन. नेहरू ने त्रिची में ईशा के विशाल वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की। इस साल ईशा के कावेरी आह्वान आंदोलन की ओर से त्रिची में कृषि भूमि पर साढ़े चार लाख पेड़ लगाए जाएंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम 26 मई को त्रिची के थिलाई नगर में ईशा योग केंद्र में हुआ। तमिलनाडु के नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री श्री के.एन. नेहरू ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने किसानों को पौधे वितरित किए और आधिकारिक तौर पर इस पहल की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में त्रिची के मेयर श्री एम. अंबाजगन भी शामिल हुए। अपने भाषण में तमिलनाडु के नगरपालिका प्रशासन, शहरी और जल आपूर्ति मंत्री, केएन नेहरू ने याद करते हुए कहा, बीस साल पहले, चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम में, तत्कालीन मुख्यमंत्री, सम्मानित कलैगनार ने सद्गुरु के साथ मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया था और ईशा की वृक्षारोपण पहल का उद्घाटन किया।

उस कार्यक्रम के दौरान, कलैग्नार ने एक अद्भुत वाक्यांश कहा, 'हम पेड़ का पालन-पोषण करेंगे; पेड़ हमारा पालन-पोषण करेगा।' यह देखना सुखद है कि इस पहल के माध्यम से अब तक 109 मिलियन पेड़ लगाए जा चुके हैं। मैं ईशा के वृक्षारोपण प्रयासों की निरंतर सफलता के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

ईशा 2002 से लगातार पर्यावरण सुधार और वृक्षारोपण पर काम कर रही हैं। कावेरी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए 2019 में कावेरी कॉलिंग पहल शुरू की गई थी। यह पहल वृक्षारोपण और रखरखाव के लिए निःशुल्क तकनीकी सहायता प्रदान करती है। इसमें मिट्टी के लिए उपयुक्त पेड़ों का चयन, जल प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन और अंतरफसल संबंधी सलाह शामिल है, साथ ही कर्मचारी मार्गदर्शन देने के लिए कृषि भूमि का दौरा करते हैं। अतिरिक्त जानकारी और पौधे की आवश्यकता के लिए किसान 80009 80009 पर संपर्क कर सकते हैं।

पेरियार नदी में बड़ी संख्या में मछलियों की मौत, केरल सरकार ने उच्चस्तरीय बैठक बुलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। स्थानीय लोगों, पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों से आलोचना का सामना कर रही केरल सरकार ने हाल में पेरियार नदी में बड़ी संख्या में मछलियों की मौत होने के मुद्दे पर चर्चा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित करने का रविवार को निर्णय किया। राज्य के उद्योग मंत्री पी राजीव ने कहा कि बैठक में घटना पर फोर्ट कोच्चि उपजिलाधिकारी द्वारा सौंपी जाने वाली रिपोर्ट पर चर्चा होगी। उन्होंने यह भरोसा भी जताया कि उस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह रिपोर्ट सोमवार तक सरकार को सौंपे जाने की उम्मीद है।

पेरियार नदी में हजारों मछलियां मृत पाए जाने के बाद उनका यह बयान आया है। बड़ी संख्या में मछलियों की मौत होने पर यहां पिछले हफ्ते स्थानीय निवासियों और किसानों ने प्रदर्शन किया था। मंत्री ने कहा कि घटना के सिलसिले में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा केरल मत्स्य पालन और महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय से अलग-अलग रिपोर्ट मांगी गई है। उपजिलाधिकारी अन्य सभी रिपोर्ट का समन्वय कर इसे सौंपेंगे। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पेरियार के संरक्षण के लिए एक स्थायी समाधान तलाशना है।

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद तिरुवनंतपुरम में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई जाएगी और उसके निर्णयों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। नदी के जल में अमोनिया और सल्फर की मौजूदगी के आरोपों की ओर इशारा करते हुए मंत्री ने विशेषज्ञों के हवाले से कहा कि यह जैविक अपशिष्ट या रासायनिक कचरे से हुआ होगा। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि यहां बड़ी संख्या में मछलियों की मौत के लिए आसपास के कारखानों से नदी में डाले जाने वाला रासायनिक कचरा जिम्मेदार है।

केरल में रेस्तरां में खाना खाने के बाद 70 लोग बीमार, भोजनालय सील किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। मध्य केरल के त्रिशूर जिले में एक दिन पहले एक रेस्तरां में खाना खाने वाले लगभग 70 लोगों को कथित तौर पर विषाक्त भोजन के चलते बीमार पड़ने पर विभिन्न अस्पतालों में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने कहा कि मूननुपीडिका क्षेत्र में एक रेस्तरां में खाना खाने वाले 60 से 70 लोगों ने अस्पतालों में इलाज कराया। उनमें से किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारियों को संदेह है कि संबंधित लोग कुझिमंथी नामक व्यंजन के साथ दी जाने वाली मेयोनीज खाकर बीमार पड़े। कैपमंगलम थाने के एक अधिकारी ने कहा, घटना के बाद अधिकारियों ने होटल को सील कर दिया है।

प्रदर्शनी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में 26 मई को वीओसी मैदान में एक सरकारी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिले के कलेक्टर क्रांति कुमार के साथ निगम कमिशनर शिवा गुरु प्रभाकर, पुलिस आयुक्त स्टालिन आदि की उपस्थिति में इसका शुभारंभ किया गया। सरकार की उपलब्धियों की जानकारी इस प्रदर्शनी में दी गई।

अधिकारियों का एक वर्ग 'भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है' : केरल के सूचना आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल के सूचना आयुक्त ए. अब्दुल हकीम ने रविवार को राज्य सरकार में अधिकारियों के एक वर्ग पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने' का आरोप लगाया। हकीम ने आरोप लगाया कि यह दावा करना उनकी आदत है कि फाइल गायब है।

उन्होंने कहा कि जब लोग सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से जानकारी मांगते हैं तो ये अधिकारी जनता से जानकारी छुपाने के लिए अक्सर 'फाइल नहीं मिली' या 'जानकारी उपलब्ध नहीं है' जैसा जवाब देते हैं। यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में हकीम के हवाले से बताया गया, ''जब आयोग हस्तक्षेप करता है तो अचानक गायब फाइलें और जानकारी चमत्कारिक रूप से सामने आ जाती हैं। अधिकारी जनता से जानकारी छुपाने में कुशल हैं। विज्ञप्ति में हकीम ने इस बात पर जोर दिया कि फाइलें खोना लोक अभिलेख अधिनियम के तहत एक गंभीर अपराध है और जिम्मेदार लोगों को जेल की सजा हो सकती है।

वाइको सर्जरी के लिए अस्पताल में हुए भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमडीएमके महासचिव और राज्यसभा सांसद वाइको को कंधे की सर्जरी के लिए यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वाइको कलिंगपट्टी में अपने घर पर फिसल कर गिर गये थे और उनके कंधे में फ्रैक्चर हो गया था। उनके बेटे और एमडीएमके के प्रधान सचिव दुरई वाइको ने कहा कि वाइको को सर्जरी के लिए यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस बीच, पीएमके अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ अंबुमणि रामदास ने वाइको की सर्जरी के बाद शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उडुप्पी में गिरोहों के आपसी संघर्ष मामले में तीन और लोग गिरफ्तार

उडुप्पी। पुलिस ने उडुप्पी शहर के कुंजीबेट्टू में 19 मई को तड़के हुए एक गिरोहों के आपसी संघर्ष के सिलसिले में रविवार को तीन और लोगों को गिरफ्तार किया। इन्हें मिलाकर अब तक कुल छह लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। रविवार को गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान माजिद, अल्फाज और शरीफ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि ये तीनों 'गरुड़ गिरोह' के सदस्य बताए जा रहे हैं।

त्रिची में साढे चार लाख पेड़ लगाने के लिए ईशा का कावेरी आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिची। तमिलनाडु के मंत्री के.एन. नेहरू ने त्रिची में ईशा के विशाल वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की। इस साल ईशा के कावेरी आह्वान आंदोलन की ओर से त्रिची में कृषि भूमि पर साढ़े चार लाख पेड़ लगाए जाएंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम 26 मई को त्रिची के थिलाई नगर में ईशा योग केंद्र में हुआ। तमिलनाडु के नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री श्री के.एन. नेहरू ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने किसानों को पौधे वितरित किए और आधिकारिक तौर पर इस पहल की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में त्रिची के मेयर श्री एम. अंबाजगन भी शामिल हुए। अपने भाषण में तमिलनाडु के नगरपालिका प्रशासन, शहरी और जल आपूर्ति मंत्री, केएन नेहरू ने याद करते हुए कहा, बीस साल पहले, चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम में, तत्कालीन मुख्यमंत्री, सम्मानित कलैगनार ने सद्गुरु के साथ मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया था और ईशा की वृक्षारोपण पहल का उद्घाटन किया।

उस कार्यक्रम के दौरान, कलैग्नार ने एक अद्भुत वाक्यांश कहा, 'हम पेड़ का पालन-पोषण करेंगे; पेड़ हमारा पालन-पोषण करेगा।' यह देखना सुखद है कि इस पहल के माध्यम से अब तक 109 मिलियन पेड़ लगाए जा चुके हैं। मैं ईशा के वृक्षारोपण प्रयासों की निरंतर सफलता के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

ईशा 2002 से लगातार पर्यावरण सुधार और वृक्षारोपण पर काम कर रही हैं। कावेरी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए 2019 में कावेरी कॉलिंग पहल शुरू की गई थी। यह पहल वृक्षारोपण और रखरखाव के लिए निःशुल्क तकनीकी सहायता प्रदान करती है। इसमें मिट्टी के लिए उपयुक्त पेड़ों का चयन, जल प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन और अंतरफसल संबंधी सलाह शामिल है, साथ ही कर्मचारी मार्गदर्शन देने के लिए कृषि भूमि का दौरा करते हैं। अतिरिक्त जानकारी और पौधे की आवश्यकता के लिए किसान 80009 80009 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रज्ज्वल का पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध पर केंद्र से कोई जवाब नहीं : जी परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रज्ज्वल की गिरफ्तारी और महिलाओं की सुरक्षा की मांग को लेकर कुछ संगठनों और विचारकों द्वारा 30 मई को 'हासन चलो' का आयोजन करने के सवाल पर उन्होंने कहा, हो सकता है कि वे जन जागरूकता के लिए ऐसा कर रहे हों, उन्हें ऐसा करने दीजिए।

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को कहा कि महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हासन के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध पर राज्य को केंद्र से अभी तक कोई आधिकारिक जवाब नहीं मिला है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के उस कथित बयान पर निशाना साधते हुए जिसमें कहा गया था कि प्रज्ज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने का राज्य सरकार का अनुरोध 21 मई को ही प्राप्त हुआ था, परमेश्वर ने जानना चाहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक मई लिखे गए पत्र का क्या हुआ।

परमेश्वर ने कहा, ''जहां तक मुझे पता है, हमें अब तक (केंद्र से) कोई सूचना या पत्र नहीं मिला है। मैंने देखा है कि विदेश मंत्री ने मीडिया से कहा है कि वे कार्रवाई कर रहे हैं और एक दो दिनों में वे इसे (राजनयिक पासपोर्ट) रद्द कर देंगे, लेकिन हमें इस पर कोई लिखित सूचना नहीं मिली है।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने एक मई को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रज्ज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की मांग की थी और उसके बाद आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल ने भी केंद्र को इसी अनुरोध के साथ पत्र लिखा था।

उन्होंने कहा, (मुख्यमंत्री के) पहले पत्र का जवाब कहां है। जब एक मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखता है, तो उसे उचित सम्मान मिलना चाहिए। ऐसा नहीं हुआ। विदेश मंत्री कह रहे हैं कि उन्हें राज्य से पत्र 21 मई को मिला, तो हमें पूछना होगा कि पहला पत्र कहां गया। वे कार्रवाई कर रहे हैं, यह अच्छा है, उन्हें लेने दीजिसे, लेकिन वह कह रहे हैं कि हमने (राज्य) ने पत्र अभी भेजा है, पहले नहीं, यह सही नहीं है। हालांकि, मामले से परिचित लोगों ने शुक्रवार को बताया कि विदेश मंत्रालय ने प्रज्ज्वल को कारण बताओ नोटिस भेजकर पूछा है कि उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द क्यों न किया जाए, जैसा कि उनके खिलाफ यौन शोषण के आरोपों के मद्देनजर कर्नाटक सरकार ने मांग की है।

बैठक

रविवार को बेंगलूरु के जेपी भवन में परिषद चुनाव पर जेडीएस-बीजेपी समन्वय समिति की बैठक के दौरान जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी, विपक्ष के नेता आर अशोक और अन्य।

गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है राजस्थान सरकार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि पूरा देश खासतौर से राजस्थान इस समय भीषण गर्मी से जूझ रहा है और राज्य सरकार प्रदेशवासियों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। शर्मा रविवार सुबह जयपुर के सेंट्रल पार्क में सुबह की सैर पर पहुंचे और लोगों से बातचीत की। उन्होंने पार्क में घूमने आए लोगों से बातचीत में कहा, बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसलिए बिजली, जलदाय और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में मौसमी बीमारियों और लू से बचाव और उपचार के पुख्ता इंतजाम किये हैं। इसके अलावा पशुओं और गायों के लिए दवा और पानी की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने प्रदेशवासियों को जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलने और अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखने का सुझाव दिया। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को 50 डिग्री सेल्सियस के साथ फलोदी राज्य का सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया था। पूरे राजस्थान में भीषण गर्मी का असर रहा और शनिवार को रात का तापमान भी 25.5 डिग्री सेल्सियस (सीकर) से लेकर 35 डिग्री सेल्सियस (बाड़मेर) के बीच दर्ज किया गया। मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी 48 घंटों में बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 1-2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, इस बात की प्रबल संभावना है कि राज्य में चल रही भीषण गर्मी और रात को गर्म तापमान अगले तीन दिनों तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि 29 मई से राज्य के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है।

भजनलाल ने सेंट्रल पार्क में पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह यहां सेंट्रल पार्क में पक्षियों के लिए परिंडे बांधे और कहा कि प्रदेश में भीषण गर्मी के मद्देनजर पेयजल एवं बिजली आपूर्ति सुव्यवस्थित एवं पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं । शर्मा ने सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक किया और पक्षियों की चिंता करते हुए उनके लिए परिन्डे बांधे और बाद में ऐतिहासिक स्टेच्यू सर्किल पर पक्षियों को दाना भी खिलाया।

मुख्यमंत्री ने मार्निंग वॉक के बाद चौड़ा रास्ता में सड़क किनारे साहू चाय वाले के चाय पी, इस दौरान उन्होंने वहाँ मौजूद जनता से अपने विचार साझा किए। रवाना होते समय मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन चाय का भुगतान किया।

इस दौरान शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में भीषण गर्मी के मद्देनजर पेयजल एवं बिजली आपूर्ति सुव्यवस्थित एवं पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम है और राजस्थान में तेज गर्मी एवं लू रहती है ऐसे में प्रदेश में सब मिलकर पक्षियों का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेयजल, गौशाला सहित पानी जरूरत वाली जगहों पर पूरा ध्यान रखने तथा बिजली की आपूर्ति पर भी बराबर ध्यान रखने के अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं।

बूंदी में पारा 48 पार, गर्मी से राहत के लिए सड़कों पर हो रहा है पानी का छिड़काव

बूंदी। राजस्थान में गर्मी से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो चुका हैं। बूंदी सहित 1 दर्जन से अधिक जिलों में मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। नौतपा के दूसरे दिन तापमान 48 डिग्री तक पहुंच गया। आमजन को राहत देने के लिए जिला प्रशासन ने सड़कों पर दमकलों के माध्यम से पानी का छिड़काव करवाया है ताकि सड़क पर चलने वाले लोगो को थोड़ी राहत मिल सके। बूंदी नगर परिषद की तीन दमकलों ने हजारों लीटर पानी का सड़कों पर छिड़काव किया है।

गर्मी के कारण शहर की सड़कें सूनी पड़ी हैं और बाजारों में निकलने वाले लोग भी गर्मी के थपेड़ों से बचने के लिए मुंह को ढंककर निकल रहे हैं। जिला अस्पताल में भी उल्टी-दस्त के मरीज बढ़ गए हैं। प्रशासन का कहना है कि लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए पानी का छिड़काव करवाया गया है।

आचार संहिता लागू होने के बाद से राजस्थान में रिकॉर्ड जब्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अलग-अलग एजेंसियों ने मार्च से अब तक 1205 करोड़ रुपए की कीमत से अधिक की नशीली दवायें, शराब, कीमती धातुयें, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुयें और अवैध नकद राशि जब्त की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने रविवार को बताया कि राज्य में चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर अलग-अलग एजेंसियां कड़ी निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में एक मार्च से अब तक 1205 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गयी है।

उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन विभाग के निर्देश पर 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। एक मार्च से अब तक राजस्थान में 12 जिलों में 40-40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं और नकदी आदि जब्त की गई है।

उन्होंने बताया कि सिरोही में 70 करोड़ 80 लाख, जयपुर में 68 करोड़ 59 लाख, झुंझुनूं में 58 करोड़ 37 लाख, भीलवाड़ा में 56 करोड़ 81 लाख, गंगानगर में 54 करोड़ 79 लाख जोधपुर में 54 करोड़ 67 लाख, चूरू में 53 करोड़ 79 लाख और बाड़मेर में 44 करोड़ 47 लाख रुपये की सामग्री जब्त की गयी हैं। गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष एक मार्च से अब तक करीब 43 करोड़ रुपये नकद, 257 करोड़ 35 लाख रुपये मूल्य की ड्रग्स, 49 करोड़ 36 लाख रुपये से अधिक कीमत की शराब और करीब 75 करोड़ 70 लाख रुपये मूल्य की सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। साथ ही, 779 करोड़ 32 लाख रुपये से ज्यादा कीमत की अन्य सामग्री एवं करीब 90 लाख रुपये मूल्य की मुफ्त वितरण की वस्तुएं भी जब्त की गई हैं।

कोटा, बूंदी में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा और बूंदी जिले में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। प्रदेश के बूंदी जिले के हिंडोली थाने के थाना प्रभारी पवन कुमार मीणा ने बताया कि रविवार सुबह अजमेर के ब्यावर से एक परिवार के नौ सदस्यों को लेकर आ रहा एक पिकअप वाहन सुबह करीब साढ़े छह बजे बसोली मोड़ पर पलट गया ।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई और परिवार के सात अन्य सदस्य घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मृत व्यक्तियों की पहचान मांगीलाल (45) और लालीबाई (45) के रूप में हुई है और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने कहा कि एक अन्य घटना में, शनिवार शाम को कोटा जिले में दारा रेलवे के पास एनएच-52 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उस पर सवार चाचा भतीजे की मौत हो गयी ।

मोदक पुलिस थाने के थानाप्रभारी योगेश शर्मा ने बताया कि मृतकों की पहचान कुदायला गांव निवासी योगेश (14) और उसके चाचा रामकुमार सुथार (48) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिए गए और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वायत्त शासन विभाग देगा राहत की 'छांव-पानी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक एवं संयुक्त सचिव श्याम सिंह ने नगरीय निकायों को गर्मी के प्रभाव को देखते हुए आमजन, पशु-पक्षी के हितार्थ महत्वपूर्ण कदम उठाने और जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सिंह ने अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए ऐसे स्थानों का चिन्हिकरण किया जाए, जो कि असुरक्षित हैं। ऐसे स्थानों पर आश्रय गृह बनाकर उनमें पीने के पानी, पंखे-कूलर, ओआरएस के पैकेट्स की व्यवस्था की जाए।

सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि इस गर्मी का प्रकोप मानव जाति के साथ पशु और पक्षी भी झेल रहे हैं। ऐसे में जगह-जगह पर उनके लिए भी चारा, दाना और पानी की व्यवस्था की जाए। ताकि इस जानलेवा गर्मी के दौर में किसी भी जीव पर संकट ना आए। सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी के दौर में पेयजल की कमी जगह-जगह देखने को मिलती है। ऐसे में नगरीय निकाय विभाग भी स्थानीय संबंधित विभागीय अधिकारियों से समन्वय बनाकर रखें।

इसके साथ नगरीय निकायों स्तर पर भी कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएं। ताकि आमजन से जुड़ी पेयजल समस्याओं को उचित समय में संबंधित विभाग तक पहुंचाकर आमजन और विभाग की मदद की जा सके। सिंह ने कहा कि गर्मी के इस भीषण प्रकोप से जीवमात्र की रक्षा का प्रण लेकर विभाग को भी पूरी मुस्तैदी के साथ काम करना होगा।

मूक बधिक बालिका के साथ रेप और जलाकर मार डालने वाला पुलिस की गिरफ्त से दूर

करौली। हिंडौन में मूक बधिर बालिका के साथ रेप और उसके बाद उसे जलाकर मार डालने वाले आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है। पंद्रह दिन पहले हुई इस घटना में अब तक कार्रवाई नहीं होने से लोगों में गुस्सा है। यही वजह है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर डिंपलरेपिस्टगिरफ्तारकरो गिरफ्तार करो ट्रेंड कर रहा है। इस नाम से कस्बे में पोस्टर भी लगाए गए हैं। समाज के लोगों ने पुलिस और प्रशासन से जल्दी ही गिरफ्तार करने की मांग की है। दरअसल यह घटना 9 मई की बताई गई है। मूक बधिर बालिका बुरी तरह से झुलसी हुई मिली थी। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि उसके साथ दुष्कर्म भी हुआ है। बच्ची ने इशारे से बताया था कि दो लोगों को पटरी की उधर जाते हुए देखा है। पुलिस जांच में अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। आरोपी का पता नहीं चलने से लोगों में गुस्सा है। इस घटना ने प्रदेश सरकार को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया पर लोग जबरदस्त गुस्से का इजहार कर रहे हैं। पीड़िता की अस्पताल में भर्ती के फोटो व वीडियो वायरल हो रहे हैं। समाज के लोगों ने भी पुलिस और प्रशासन को ज्ञापन देकर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

औचक निरीक्षण कर उड़ान योजना के अंतर्गत सैनेटरी नेपकिन वितरण व्यवस्था का किया गया भौतिक सत्यापन

जयपुर/दक्षिण भारत। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. मोहन लाल यादव ने बताया कि मुख्य सचिव सुधांश पंत के निर्देशों पर सभी जिलों के उप निदेशक, सीडीपीओ तथा महिला पर्यवेक्षक व महिला सुपरवाइजर को निर्देशित किया कि राज्य के सभी जिलों में पांच- पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का अवलोकन कर उड़ान योजना के अंतर्गत सैनेटरी नेपकिन वितरण व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया जाए।

शासन सचिव ने बताया कि उक्त निर्देशों कि पालना में राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर 6461 औचक निरीक्षण कर उड़ान योजना के अंतर्गत सैनेटरी नेपकिन वितरण व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया गया। जिसमें समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक पोषाहार के द्वारा पांच, उपनिदेशक आईईसी के द्वारा पांच, जेपीसी-4 के द्वारा पांच तथा जिलों में कार्यरत उपनिदेशकों के द्वारा 185, सीडीपीओ के द्वारा 692, महिला पर्यवेक्षकों के द्वारा 4693 तथा अन्य के द्वारा 47 आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया एवं कुल 5637 आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण भौतिक सत्यापन किया गया है।

शासन सचिव ने बताया कि इसी प्रकार महिला अधिकारिता निदेशालय की ओर से भी उपनिदेशको एवं सहायक निदेशकों, संरक्षण अधिकारी व सभी महिला सुपरवाईजर द्वारा जिला स्तर पर विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रो व अन्य केन्द्रो का औचक निरिक्षण किया गया। जिसमें उपनिदेशको एवं सहायक निदेशकों द्वारा 143 , संरक्षण अधिकारी द्वारा 52 व महिला सुपरवाईजर द्वारा 619 तथा कुल 824 केंद्रों का निरिक्षण किया गया।

डॉ. मोहन लाल यादव ने बताया कि किये गए कुल 6461 औचक निरीक्षण में जहां-जहां अनियमितता की रिपोर्ट प्राप्त हुई है वहां सम्बंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, महिला पर्यवेक्षक अथवा अन्य सम्बंधित अधिकारियों अथवा कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कोटा में हत्या का मामला दर्ज होने के बाद दो साल के बच्चे का शव कब्र से निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में माता-पिता द्वारा एक परिचित के खिलाफ बेटे की हत्या का मामला दर्ज कराने के बाद दो साल के बच्चे का शव कब्र से निकाला गया। बच्चे को करीब एक माह पहले दफनाया गया था। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी राहुल पारीक (26) को बच्चे का अपहरण करने और उसका गला घोंटने के आरोप में शुक्रवार शाम को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक बच्चे का परिवार और राहुल पिछले छह महीने से परिचित थे क्योंकि आरोपी उनके घर के पास एक दुकान चलाता है। बच्चे की मां खुशबू अक्सर रोजमर्रा के काम निपटाने के लिए बेटे अंश (2) को राहुल के पास उसकी दुकान पर छोड़ देती थी।

पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) हरिराम सोनी के मुताबिक 15 अप्रैल को भी खुशबू कुछ कार्य निपटाने के लिए अंश को राहुल के पास छोड़ गई थी। राहुल को शक था कि खुशबू का कोई अवैध प्रेम संबंध चल रहा है, उसने कथित तौर पर अंश की पिटाई की और उसका गला घोंट दिया। राहुल ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड भी किया। डीएसपी ने बताया कि इसके बाद आरोपी अंश को जे.के. लोन अस्पताल ले गया और खुशबू को फोन कर बताया कि अंश एक दुर्घटना का शिकार हो गया है। उन्होंने बताया कि जब खुशबू और उसका पति अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सक ने अंश को मृत घोषित कर दिया था। डीएसपी ने कहा कि परिवार बिना पोस्टमार्टम कराए शव को घर ले आया और 16 अप्रैल को उसका अंतिम संस्कार कर दिया। परिवार के किसी भी सदस्य को अंश की मौत में किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं था। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में राहुल ने अंश को पीटने और गला घोंटने की तस्वीरें और वीडियो भेजना शुरू कर दिया, जो उसने अपराध करते समय बनाए थे। इसके बाद खुशबू ने अपने पति के साथ शुक्रवार शाम विज्ञान नगर थाने में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, अंश के शव को कब्र से निकाला गया और शव परीक्षण के लिए भेजा गया, जिसमें पता चला कि उसकी खोपड़ी में फ्रैक्चर हुआ था और उसके फेफड़ों में खून का थक्का जम गया था, जिससे पता चलता है कि उसे गंभीर रूप से पीटा गया था और फिर गला दबाकर हत्या कर दी गई थी।

डीएसपी के मुताबिक राहुल को शुक्रवार शाम को अपहरण और हत्या के लिए भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया।

चीफ सेक्रेट्री के सख्त निर्देशों के बावजूद बिजली व जलापूर्ति में सुधार नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चीफ सेक्रेट्री सुधांश पंत के लगातार सख्त निर्देशों के बावजूद प्रदेश में बिजली और जलापूर्ति में सुधार नहीं हो रहा है। एसी रूम में बैठकर अफसर 45 से 50 डिग्री सेल्सियस में फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों पर सख्ती बरत रहे हैं। दरअसल सवाल यह उठ रहा है कि लगातार निर्देशों के बावजूद सुधार क्यों नहीं हो रहा है। क्या सरकार सिर्फ जनता के बीच यह दिखाना चाहती है कि हमारे प्रयास में कोई कमी नहीं है? पिछले करीब एक सप्ताह से राजस्थान राज्य गर्मी और लू से जल रहा है। इसका सीधा असर लोगों के जल जीवन पर पड़ रहा है। मुश्किलें तब और ज्यादा पैदा हो रही है जब तेज गर्मी में एक दिन में छह-छह बार बिजली गुल हो रही है। कई बार एक से पांच घंटे तक बिजली गुल हो जाती है। मॉनिटरिंग और कंट्रोल रूम में भी ऐसे समय में असहाय दिखाई देते हैं। पिछले 48 घंटों से लगभग पूरे राजस्थान में तापमान 45 से 50 डिग्री के बीच है। लोग बेहाल हैं।

बताया यह जा रहा है कि सरकार बदलने के बाद नई सरकार ने बिजली के प्रबंधन पर ध्यान देने की बजाय पिछली सरकार के फैसलों की आलोचना करते हुए बिजली प्रबंधन को रोक दिया था। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि आने वाले गर्मी के मौसम में लोगों क्या हाल होगा? अब चीफ सेक्रेट्री रात दिन एक किए हुए हैं, लेकिन हालात नियंत्रित नहीं हो रहे हैं।

एक दिन पहले कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने तो सीएम भजनलाल शर्मा पर आरोप लगाया कि वे चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। उन्हें राजस्थान की जनता की जरा भी फिक्र नहीं है। मिस मैनेजमेंट के कारण बिजली और जलापूर्ति का बुरा हाल है। सीएम अन्य राज्यों में कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं और राजस्थान की जनता कांग्रेस के शासन को याद कर रही है।

दस हजार फर्जी सिम आपूर्ति करने की आरोपी महिला गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर एवं डीग जिलों में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए मेवात क्षेत्र में शुरू किए गए ऑपरेशन एंटीवायरस अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता उस समय हाथ लगी जब उसने साइबर ठगों को करीब 10 हजार फर्जी मोबाइल सिम सप्लाई करने की आरोपी महिला को धरदबोचा। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर घरों की छत पर चढ़कर फरार हो जाने बाली मेवात में सिम सरगना के नाम से मशहूर मीना मेव पर दो दिन पहले ही डीग पुलिस ने 10 हजार का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला से बड़ी संख्या में सिम भी बरामद की गई हैं। पाई, गांवड़ी और बामणी गांवों में कार्रवाई के दौरान 10 साइबर ठगों को भी गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान में ना हो राजकोट जैसा हादसा स्वायत्त शासन विभाग ने जारी किए आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गुजरात के राजकोट हादसे से सबक लेते हुए राजस्थान में सतर्कता बरतने के लिए स्वायत्त शासन विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। जिसके तहत प्रदेश के सभी गेम जोन्स में सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर उन्हें दुरुस्त करवाया जाएगा। विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के सभी निकायों के आयुक्त और ई.ओ. को जल्द से जल्द अपने क्षेत्रों में चल रहे गेम जोन्स का निरीक्षण करने के लिए टीमें गठित करने और इस पूरे काम की मॉनिटरिंग करनी होगी। अग्निशमन के साथ अन्य व्यवस्थाएं रखनी होंगी पुख्ता चूंकि गेम जोन्स में बड़ी संख्या में लोग खास तौर पर वीकेंड पर अपने परिवारों के साथ जाते हैं। ऐसे में ऐसी जगहों पर अग्निशमन के साथ अन्य व्यवस्थाओं को पुख्ता रखना संचालक की जिम्मेदारी होगी।

पाकिस्तान में सपा, कांग्रेस 'इंडि' गठबंधन के लिए दुआ मांगी जा रही है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवरिया (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि पाकिस्तान में समाजवादी पार्टी (सपा) व कांग्रेस के लिए दुआ मांगी जा रही है और सीमा पार से 'जिहादी इन्हें समर्थन' दे रहे हैं।

मोदी रविवार को देवरिया जिले के रुद्रपुर में बांसगांव संसदीय क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार कमलेश पासवान और देवरिया संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी शशांक मणि त्रिपाठी के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने भाजपा नीत राजग गठबंधन की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा, ''कुछ ताकतें हैं जिन्हें भारत की प्रगति से दर्द हो रहा है, वे लोग चार जून को लेकर अलग ही सपने देख रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''पाकिस्तान में सपा, कांग्रेस 'इंडी' (इंडिया) गठबंधन के लिए दुआ पढ़ी जा रही है। सीमा पार से जेहादी इन्हें समर्थन दे रहे हैं।''

मोदी ने बिना नाम लिए फर्रुखाबाद की एक सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी द्वारा 'वोट जिहाद' की अपील की ओर इशारा करते हुए कहा, ''यहां सपा और कांग्रेस वाले 'वोट जेहाद' की अपील कर रहे हैं। इनका मुद्दा देश का विकास नहीं, ये तो भारत को कई दशक पीछे ले जाना चाहते हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''इनकी (इंडिया गठबंधन) जमात कह रही है कि ये सत्ता में आएंगे तो कश्मीर में फिर से अनुच्छेद 370 लगाएंगे। ये बंटवारे के पीड़ितों को फिर से नागरिकता देने वाला सीएए कानून रद्द करेंगे। ये किसका एजेंडा है, ये भारत विरोधी ताकतें चाहती हैं।'' प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमेशा देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा, ''हमारा देश ब्रह्मोस मिसाइल बनाता है और वह दिन दूर नहीं जब उप्र में ब्रह्मोस मिसाइल बनेगी जिसका खौफ दूर दूर तक है।'' मोदी ने कहा, ''दुनिया के कई देशों में इसकी मांग है लेकिन कांग्रेस को यह भी पसंद नहीं आया। दुनिया के कई देश ब्रह्मोस खरीदना चाहते थे लेकिन कांग्रेस सरकार ने रोड़े अटकाएं क्योंकि 'इंडी' (इंडिया) वाले चाहते हैं कि भारत रक्षा क्षेत्र में न आत्मनिर्भर बने, न भारत में हथियार निर्यात करने की क्षमता पैदा हो।'' उन्होंने आरोप लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दल हथियारों के सौदे में दलाली खाना चाहते हैं और घोटाले करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले का भी जिक्र किया। मोदी ने कहा, ''आज हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की ओर मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने दावा किया, ''छठे चरण का मतदान खत्म हो चुका है। छठे चरण ने 'इंडी' (इंडिया) गठबंधन के छक्के छुड़ा दिए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब सातवें चरण में 'इंडी' (इंडिया गठबंधन) वालों पर पूर्वांचल का प्रहार होगा और पूर्वांचल का जिस पर प्रहार हुआ, वह मैदान से बाहर जाकर गिरता है।'' मतगणना वाले दिन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि चार जून 2024 की तारीख भारत का भविष्य तय करने जा रही है तथा उस दिन देश एक नई उड़ान के लिए पंख फैलाएगा जिसके लिए करोड़ों लोग चार जून का इंतजार कर रहे हैं।

सपा-कांग्रेस गठबंधन को वोट देने का मतलब आतंकवाद को फिर से आमंत्रित करना : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/गाजीपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') को वोट देने का मतलब आतंकवाद को न्यौता देना है। मुख्यमंत्री ने चंदौली और गाजीपुर लोकसभा सीटों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को सम्बोधित किया।

उन्होंने चंदौली में आयोजित जनसभा में कहा, ''कांग्रेस-सपा के लोग सुरक्षा, विकास, गरीब कल्याण नहीं कर सकते। अयोध्या में राम मंदिर और काशी में विश्वनाथ धाम का निर्माण नहीं कर सकते। आराध्यों के पवित्र स्थलों का सुंदरीकरण भी नहीं कर सकते तो इन समस्याओं को सिर पर ढोने की आवश्यकता नहीं है।'' आदित्यनाथ ने कहा, ''सपा और कांग्रेस समस्या हैं। इनके गठबंधन का मतलब आतंकवाद को आमंत्रित करना है। इनको वोट देने का मतलब माफियाराज को हावी करना, हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़, गरीबों के हक पर डकैती और विकास कार्यों में रुकावटें लगाना।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''सपा और कांग्रेस का गठबंधन अनर्थकारी है। दो लड़कों की जोड़ी जब भी मिली है तो अनर्थ किया है। कांग्रेस और सपा के घोषणा पत्र को देखकर आप कहेंगे कि यह पाकिस्तान परस्त घोषणा पत्र है। यह सत्ता में आने पर पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण को मुसलमानों को दे देंगे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत इसमें सेंध नहीं लगा पाएगी।''

नहर में फंसी डॉल्फिन को 24 घंटे के अभियान के बाद बचाया, घाघरा नदी में वापस छोड़ा

लखीमपुर खीरी (उप्र)/भाषा। लखीमपुर खीरी में करीब 24 घंटे के अभियान के बाद बचावकर्मियों ने एक नहर में फंसी करीब 12 डॉल्फिन को बचा लिया और उन्हें घाघरा नदी में वापस छोड़ दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि घाघरा नदी में पाई जाने वाली गांगेय डॉल्फिन बृहस्पतिवार को शारदा बैराज से लगभग चार किलोमीटर दक्षिण में चकईपुरवा और चौका साइफन के बीच शारदा नहर में फंस गयी थीं। गंगा की डॉल्फिन को वन्य जीवन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2022 में जलीय जानवर के रूप में वर्गीकृत किया गया है और संरक्षित वन्यजीव प्रजातियों के अंतर्गत स्थान दिया गया है।

प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ), दक्षिण खीरी वन अधिकारी संजय बिस्वाल, 'वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर' (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के परियोजना निदेशक दबीर हसन, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के विशेषज्ञ विपुल मौर्य, 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया' (डब्ल्यूटीआई) विशेषज्ञ शुति सिंह और अन्य अधिकारी तब तक घटनास्थल पर डेरा डाले रहे जब तक कि सभी डॉल्फिन को सफलतापूर्वक निकाल नहीं लिया गया। संजय बिस्वाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''शुक्रवार को रिपोर्ट मिली थी कि करीब 12 गंगा डॉल्फिन के एक समूह को शारदा नहर के उथले पानी में फंसा हुआ देखा गया था जो अपर्याप्त जल स्तर के कारण सुरक्षित रूप से तैरने में असमर्थ थीं।''

शाह की मौजूदगी में कुशवाहा ने कॉलेजियम प्रणाली को अलोकतांत्रिक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

औरंगाबाद/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने रविवार को उम्मीद जताई कि सत्ता में लौटने पर भाजपा नीत राजग उच्चतर न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति की ''अलोकतांत्रिक'' कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने का प्रयास करेगा।

काराकाट लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार कुशवाहा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया, ''कॉलेजियम प्रणाली में कई खामियां हैं। यह अलोकतांत्रिक है। इसने दलितों, ओबीसी और यहां तक कि ऊंची जातियों के गरीबों के लिए उच्चतर न्यायपालिका में न्यायाधीश बनने के दरवाजे बंद कर दिए हैं।'' राजग में शामिल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख कुशवाहा ने कहा, ''अगर हम उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में पीठ की संरचना को देखें, तो इसमें कुछ सौ परिवारों के सदस्यों का वर्चस्व है। यही कारण है कि इस विसंगतिपूर्ण प्रणाली की आलोचना वर्तमान राष्ट्रपति और उनके पूर्ववर्ती ने की है।'' नरेन्द्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री रहे कुशवाहा ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग विधेयक को याद करते हुए कहा, ''किसी कारण से, इसे उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया।'' ये विधेयक 2014 में लाया गया था। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की ''सामाजिक न्याय'' पर सवाल उठाते हुए कुशवाहा ने दावा किया, वह केंद्रीय मंत्री थे और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग की सरकार में एक महत्वपूर्ण सहयोगी थे, लेकिन उन्होंने कभी भी कोलेजियम प्रणाली के खिलाफ आवाज उठा नहीं उठाई।

मोदी की 'मज़बूत' सरकार ने 'मज़बूर' संप्रग की जगह ले ली : नड्डा

जहानाबाद/आरा/नालंदा/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को ''मजबूत'' सरकार प्रदान की है जो पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने में सक्षम है। नड्डा ने बिहार के जहानाबाद संसदीय क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, आरा में भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री आर के सिंह और नालंदा में राजग प्रत्याशी कौशलेंद्र कुमार के पक्ष में अलग-अलग चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया, ''2014 में सत्ता से बाहर हुई कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार मजबूर, कामज़ोर और अपंग थी।'' नड्डा ने दावा किया कि कश्मीर के अलगाववादियों को दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में बुलाकर स्वागत करने वाली और समझौता करने वाली ही सरकार 'मजबूर और कमजोर सरकार' है।

प्रधानमंत्री मोदी की 'मुजरा' टिप्पणी बिहार का अपमान है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सासाराम/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी नेताओं के लिए 'मुजरा'' शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उन्होंने यह टिप्पणी करके ''बिहार का अपमान'' किया। सासाराम लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता और महागठबंधन के उम्मीदवार मनोज कुमार के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को बिहार में एक चुनावी रैली में विपक्षी नेताओं के लिए ''मुजरा'' शब्द का इस्तेमाल किया... मोदी जी ने इस शब्द का इस्तेमाल कर बिहार का अपमान किया... यानी यहां मुजरा होता है। यह बिहार और उसके मतदाताओं का अपमान है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी खुद को ''तीसमारखां'' मानते हैं.... वह गलतफहमी में हैं। जनता ही असली ''तीसमारखां'' है। वह (प्रधानमंत्री) एक तानाशाह हैं... अगर तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो लोगों को कुछ भी कहने की इजाजत नहीं होगी।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''यह चुनाव मूलतः जनता बनाम मोदी है... राहुल बनाम मोदी नहीं।'' उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री होने के नाते मोदी का सम्मान करते हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी जहां भी जाते हैं, कांग्रेस पार्टी और हमारे नेताओं को बुरा-भला कहते हैं। खरगे ने कहा, ''वह (मोदी) केवल एक ही काम जानते हैं... सोनिया जी, राहुल जी और अन्य कांग्रेस नेताओं को गाली देना।'' उन्होंने कहा, ''मोदी के मुताबिक, देश में पहले के नेताओं ने विकास का कोई काम नहीं किया। सबकुछ इनके ही कार्यकाल में हुआ है।''

नक्सलियों ने आदिवासी व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या की

चतरा/भाषा। झारखंड के चतरा जिले में कथित तौर पर पुलिस का मुखबिर होने के शक में नक्सलियों ने आदिवासी समुदाय के एक व्यक्ति और उसके बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना शनिवार रात कुंडा थाना क्षेत्र के हिंदिया कला गांव में हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान छेदी बिरहोर और उनके बेटे पंकज बिरहोर के रूप में हुई है, जो आदिवास समुदाय से हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास पांडे ने कहा,छेदी बिरहोर और उनके बेटे की कथित तौर पर तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के सदस्यों ने हत्या की।'' पंकज के बड़े भाई विधायक बिरहोर ने पुलिस को बताया कि करीब 60-70 नक्सलियों ने उनके घर को घेर लिया और दरवाजा खटखटाया तथा जब किसी ने दरवाजा नहीं खोला तो वे छत के रास्ते घर में घुस गये। पहले तो उन्होंने उनकी पिटाई की और फिर गोली मारकर हत्या कर दी।'' विधायक ने कहा कि जब हमला हुआ तब वह घर में नहीं था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, अगर मैं घर पर होता तो मुझे भी मार दिया जाता।

चक्रवात 'रेमल' : प्रधानमंत्री मोदी ने तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चक्रवाती तूफान 'रेमल' से निपटने को लेकर की गई तैयारियों की समीक्षा के लिए रविवार को बुलाई गई बैठक की अध्यक्षता की। चक्रवाती तूफान के बांग्लादेश और इसके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के बीच के समुद्र तटों पर करीब आधी रात को दस्तक देने की आशंका है। प्रचंड चक्रवात के कारण पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों और कोलकाता में भारी बारिश हुई है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने चक्रवात 'रेमल' को लेकर प्रतिक्रिया और इससे निपटने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की।

चक्रवात 'रेमल': प्रचंड चक्रवाती तूफान के आधी रात तक पश्चिम बंगाल के तट पर दस्तक देने के आसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/ नई दिल्ली/भाषा। चक्रवाती तूफान 'रेमल' ने और प्रचंड रूप अख्तियार कर लिया है और इसके रविवार आधी रात तक बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटों पर दस्तक देने का अनुमान है। मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि 'रेमल' के तटों पर पहुंचने पर 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और उनका वेग 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगा।

चक्रवात के कारण पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा और कोलकाता एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने बताया कि 'रेमल' उत्तर की ओर बढ़ रहा है और रविवार आधी रात तक मोंगला बंदरगाह के दक्षिण-पश्चिम के निकट सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) और खेपुपारा (बांग्लादेश) के बीच तटों को पार करने से पहले इसके और तेज होने की संभावना है। कोलकाता में मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वी क्षेत्र के प्रमुख सोमनाथ दत्ता ने कहा कि दक्षिण बंगाल के कई जिलों में रविवार शाम से 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जिससे कोलकाता, हावड़ा, हुगली और पूर्व मेदिनीपुर प्रभावित होंगे। दत्ता ने कहा, ''रेमल नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन इसके 2020 में आए चक्रवात 'अम्फान' के मुकाबले कम विनाशकारी रहने की संभावना है।'' चक्रवात को देखते हुए पूर्वी और दक्षिण पूर्वी रेलवे ने एहतियात के तौर पर दक्षिण और उत्तर 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिले के तटीय जिलों में कई ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी हैं। कोलकाता हवाई अड्डे के अधिकारियों ने चक्रवात 'रेमल' के संभावित प्रभाव के कारण रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए उड़ान संचालन निलंबित करने का फैसला किया है। भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि उड़ान निलंबन अवधि के दौरान अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों क्षेत्रों में आने-जाने वाली कुल 394 उड़ानों का हवाई अड्डे से संचालन नहीं होगा। भारतीय तट रक्षक बल के कोलकाता मुख्यालय वाले उत्तर पूर्व क्षेत्र के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए हैं कि समुद्र में जान-माल का कोई नुकसान न हो।

हार देखकर प्रधानमंत्री मोदी की ज़बान भाषणों में लड़खड़ा रही है : अखिलेश

बलिया (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह एहसास हो गया है कि भाजपा केंद्र में सत्ता बरकरार नहीं रख पाएगी जिस वजह से उन्होंने आत्मविश्वास खो दिया है और भाषणों में उनकी ज़बान लड़खड़ा रही है।

यहां बेल्थरा रोड में सलेमपुर संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार रमाशंकर विद्यार्थी के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यादव ने सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना को खत्म करने का वादा किया। उन्होंने कहा, चार जून एक ऐतिहासिक दिन होगा। जलवायु परिवर्तन के साथ, राजनीतिक परिवर्तन भी होगा। 'मंत्रिमंडल' और 'मीडिया मंडल' दोनों बदल जाएंगे। यादव ने 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि भाजपा की हालत देखकर प्रधानमंत्री मोदी की ज़बान लड़खड़ा रही है। यादव ने कहा, जब आत्मविश्वास खो जाता है तो ज़बान लड़खड़ा जाती है। उन्हें एहसास हो गया है कि उनकी सरकार जा रही है।

दीपा करमाकर ने इतिहास रचा, एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ताशकंद/भाषा। शीर्ष भारतीय जिमनास्ट दीपा करमाकर रविवार को यहां महिला वॉल्ट स्पर्धा में पीला तमगा हासिल कर एशियाई सीनियर चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की पहली जिमनास्ट बन गयीं। दीपा (30 वर्ष) ने प्रतियोगिता के आखिरी दिन वॉल्ट फाइनल में 13.566 का औसत स्कोर बनाया। उत्तर कोरिया की किम सोन हयांग (13.466) और जो क्योंग ब्योल (12.966) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते। रियो ओलंपिक 2016 में वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रही दीपा ने 2015 चरण में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। आशीष कुमार ने 2015 एशियाई चैम्पियनशिप में व्यक्तिगत फ्लोर एक्सरसाइज में

रोहित शर्मा सहित विश्व कप टीम के 10 सदस्य न्यूयॉर्क पहुंचे, विराट कोहली और हार्दिक बाद में टीम से जुड़ेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। भारतीय क्रिकेट टीम के 10 सदस्य टी20 विश्व कप के लिए रविवार सुबह यहां पहुंचे जिसमें कप्तान रोहित शर्मा भी शामिल थे। हालांकि न्यूयॉर्क पहुंचने वाले पहले जत्थे में विराट कोहली और उप कप्तान हार्दिक पंड्या अनुपस्थित थे। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बाकी सहयोगी स्टाफ भी न्यूयॉर्क पहुंचे। रोहित के अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल भी शामिल थे। रिजर्व खिलाड़ी शुभमन गिल और खलील अहमद भी उनके साथ मौजूद थे।

कोहली ने बुधवार को अहमदाबाद में आईपीएल एलिमिनेटर मुकाबला खेला था। वह बाद में टीम के साथ जुड़ेंगे।

हार्दिक आईपीएल लीग चरण के पूरा होने के बाद ब्रिटेन चले गये थे। पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस कप्तान हार्दिक की अगुआई में प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही थी।

राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार रात चेन्नई में दूसरा क्वालीफायर खेला था जिससे यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल और आवेश खान (रिजर्व) सोमवार को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होंगे।

भारत अपना एकमात्र विश्व कप अभ्यास मैच बांग्लादेश के खिलाफ नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगा। भारतीय टीम इस नये स्टेडियम में तीन लीग मैच खेलेगी जिसमें नौ जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला भी शामिल है। जनवरी में इस स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरू हुआ था और इस महीने में ही पूरा हुआ है।

भारतीय टीम पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। भारत ने 2013 के बाद से कोई आईसीसी खिताब नहीं जीता है।

अमेरिका पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट की सह मेजबानी कर रहा है और उसकी राष्ट्रीय टीम भी वैश्विक प्रतियोगिता में पदार्पण करेगी।

मलेशिया मास्टर्स के प्रदर्शन से आत्मविश्वास बढ़ेगा: सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रविवार को यहां कहा कि मलेशिया मास्टर्स फाइनल में चीन की वांग झि यि से हारने के बावजूद अगले टूर्नामेंट के लिए उनका मनोबल बढ़ेगा। सिंधू का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में तीसरा पदक हासिल करना है, वह रविवार को यहां 79 मिनट तक चले महिला एकल फाइनल में दुनिया की सातवें नंबर की चीन की खिलाड़ी से 21-16, 5-21, 16-21 पराजित हो गयीं।

विश्व रैंकिंग में 15वें नंबर पर काबिज सिंधू ने कहा, ''निराशाजनक है कि मैं उम्मीद के अनुरूप नतीजा हासिल नहीं कर सकी। मैंने निर्णायक गेम में बढ़त बनायी हुई थ, मुझे इसे जीतना चाहिए था लेकिन इस दौरान काफी अच्छी रैलियां हुईं और वांग ने भी वापसी की।'' उन्होंने कहा, ''मैं इतना ही कह सकती हूं कि यह काफी अच्छा मैच रहा। थोड़ा निराशाजनक रहा लेकिन इस मैच में काफी सकारात्मक चीजें रही बल्कि पूरे टूर्नामेंट में सीखने के लिए काफी सकारात्मक चीजें रहीं।'' सिंधू 2023 में मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार यहां फाइनल में पहुंची। उन्होंने कहा कि वह टूर्नामेंट के इस चरण में पहुंचकर खुश थीं। उन्होंने अंतिम दफा सिंगापुर ओपन और 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से बायें टखने में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' के कारण वह करीब छह महीने तक खेल से बाहर रहीं। पिछले साल फरवरी में ही उन्होंने वापसी की। सिंधू ने कहा, ''खुश हूं कि कम से कम फाइनल में पहुंची। मैंने अच्छा खेल दिखाया। ये मैच निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ायेंगे। लेकिन मैं फाइनल मुकाबले को जीत सकती थी।''

सुविचार

जिंदगी में जो कार्य मुश्किल लगे, उसे बार-बार रिपीट करने से, कार्य आसान हो जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सबक लें, जागरूक रहें

गुजरात के राजकोट शहर में एक 'गेम जोन' में भीषण आग लगने से कई लोगों की मौत होना अत्यंत दु:खद है। इस घटना के बाद दिल्ली के एक अस्पताल में आग लग गई। राष्ट्रीय राजधानी की एक रिहायशी इमारत में भी ऐसा ही हादसा हो गया। सोशल मीडिया ऐसे वीडियो से भरा पड़ा है, जिन्हें देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। नवजात से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक ... देश में हर साल आग लगने की ऐसी घटनाओं में बहुत लोग जान गंवा रहे हैं। हादसों पर मीडिया सवाल उठाता है तो प्रशासन कुछ सक्रियता दिखा देता है। सरकारों की ओर से मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है। हादसा बड़ा हुआ तो जांच कमेटियां बना दी जाती हैं। कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया जाता है। एफआईआर दर्ज करा दी जाती है। कई मामलों में यह बात सामने आती है कि दमकल उस जगह तक नहीं पहुंच सकी, क्योंकि आगे बढ़ने के लिए रास्ता नहीं बचा था। बेतरतीब बसावट और अतिक्रमण लोगों की जान पर भारी पड़ रहे हैं। भ्रष्टाचार के दैत्य को समय रहते कुछ नियंत्रित कर लेते तो हालात इतने नहीं बिगड़ते। मोबाइल फोन और तकनीकी यंत्रों के उपयोग के दौरान कब कौनसा बटन दबाएं, यह तो सब सीख गए, लेकिन आग, बाढ़, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का कैसे सामना करें, यह कितने लोगों ने सीखा? करोड़ों रुपए खर्च कर घर बनाते हैं, उसे बेशकीमती चीजों से सजाते हैं, लेकिन डेढ़-दो हजार रुपए का अग्निशामक यंत्र कितने घरों में है? जब कभी अग्निकांड से संबंधित खबरें या वीडियो अखबारों या सोशल मीडिया के जरिए सामने आते हैं और परिवार का कोई सदस्य अग्निशामक यंत्र खरीदने का सुझाव देता है तो उसे यह कहने वाले जरूर मिल जाते हैं- 'हमें इसकी क्या जरूरत है? हमारे यहां तो कभी हादसा नहीं हुआ!'

क्या हादसे तिथि और वार बताकर आते हैं? अगर सच में ऐसा होता तो यह दुनिया बहुत सुरक्षित हो जाती, लेकिन ऐसा नहीं है। सब जानते हैं कि रसोई गैस अत्यंत ज्वलनशील होती है। इसका उपयोग करने के बाद सिलेंडर का रेगुलेटर बंद कर देना चाहिए। वहीं, ऐसे कई घर हैं, जहां रात को कामकाज के बाद रेगुलेटर बंद नहीं किया जाता। दलील दी जाती है कि 'अगले दिन फिर चालू करना होगा, तो बंद क्यों करें? हमारे यहां तो कभी हादसा नहीं हुआ!' जब कभी घरों, इमारतों, भोजनालयों, अस्पतालों आदि में आग लग जाती है और घटना की जांच होती है तो पता चलता है कि और चीजों का तो काफी अच्छा इंतजाम कर रखा था, लेकिन इस बिंदु की उपेक्षा की गई थी कि यहां कभी आग लग सकती है। प्रशासन की चौतरफा आलोचना के बाद संबंधित लोगों के साथ सख्ती बरती जाती है, जुर्माना लगाया जाता है। बेशक कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उसके साथ-साथ यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि लोग अपने स्तर पर सुरक्षा के आधारभूत उपाय करने में सक्षम हों। जहां जरूरी हो, बिजली के पुराने तार और उपकरण बदलें। हर घर, हर संस्थान, हर प्रतिष्ठान में अग्निशामक यंत्र रखना अनिवार्य होना चाहिए। इसकी समयानुसार जांच होनी चाहिए और जहां अग्निशामक यंत्र न हो, मौके पर ही शुल्क वसूलकर वह उपलब्ध करा देना चाहिए। लोगों को यह बात समझानी होगी कि हादसे कभी भी और किसी के साथ भी हो सकते हैं। अगर आप और आपका कोई अपना अब तक इसकी चपेट में नहीं आए हैं तो इसे सौभाग्य समझें। इसके साथ ही सावधानी बरतें। आग लगने के बाद जान-माल का नुकसान उठाने से कहीं ज्यादा बेहतर है कि समय रहते जागरूक हो जाएं, अपना और अपनों का ख़याल रखें। गृह-प्रवेश और उद्घाटन जैसे शुभ अवसरों पर अग्निशामक यंत्र भी स्थापित करें।

ट्वीटर टॉक

मोदी जी ने लाल किले के प्राचीर से कहा है कि भ्रष्टाचारियों को छोड़ूंगा नहीं और गरीबों के खून-पसीने का पैसा बर्बाद नहीं होने दूंगा, वो पैसा उनके विकास में लगेगा। मोदी के नेतृत्व में भाजपा कह रही है भ्रष्टाचार हटाओ, जबकि इंडी गठबंधन कहता है, भ्रष्टाचारियों को बचाओ।

-जेपी नड्डा

सासाराम की जनसभा में अपार स्नेह और जनसमर्थन बता रहा है कि पूरे बिहार की जनता भाजपा के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। प्रदेश को गुंडाराज, भ्रष्टाचार और लूट की फैक्ट्री बनाने वाले ठगबंधन का इस बार खाता भी नहीं खुलने जा रहा है।

-अमित शाह

लुधियाना लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी श्री रवनीत सिंह बिट्टू जी के समर्थन में जगराँव विधानसभा में व्यापारी-उद्यमी बंधुओं से आत्मीय मुलाक़ात हुई। उन्होंने मोदी सरकार के प्रति स्पष्ट समर्थन व्यक्त किया और मोदी जी की कार्यशैली और राष्ट्र भावना को उत्कृष्ट बताया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

विनम्रता की प्रतिष्ठा

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। उन्हीं के पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा, 'भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन-सा है।' यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा, 'मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम।' तब राहगीर ने कहा, 'क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?' दुकानदार ने हंसकर कहा, 'अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं।' फिर उसने हाथ दिखाकर कहा, 'वो रहा रामसेवक जी का घर।' दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया, 'लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से?' राहगीर कहने लगा, 'भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है।' यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे।

सामयिक

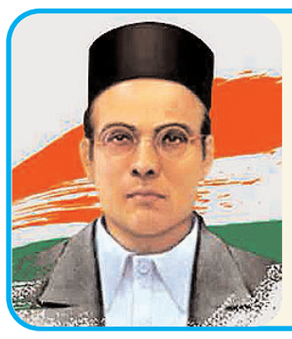

"1921 में मालाबार तट के नजदीक रहने वाले मोफला मुस्लिम समुदाय के जिहाद के ऐलान ने सावरकर की हिंदू राष्ट्र की सोच को और मजबूत किया। मोफला विद्रोहियों ने 600 हिंदुओं की हत्या की और 2500 का धर्म परिवर्तन कराया। सावरकर खुद प्रेक्टिसिंग हिंदू नहीं थे। यानी वे न तो पूजा पाठ करते थे न ही वर्णाश्रम धर्म की कठोरता से पालन के पक्षधर थे। न वे गौ पूजा के पक्ष में थे। लेकिन एक राष्ट्र की उनकी परिकल्पना हिंदू राष्ट्र की थी। यानी सप्त सिंधु हिंदुओं की भूमि है तो उस पर अधिकार और फैसलों का हक भी हिदुओं का हो।

वीर सावरकर : स्वतंत्रता आंदोलन का एक हिंदुत्ववादी चेहरा

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

विनायक दामोदर सावरकर (जन्म: 28 मई 1883 – मृत्यु: 26 फरवरी 1966) भारत के क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसुधारक, इतिहासकार, राजनेता तथा विचारक थे। उनके समर्थक उन्हें वीर सावरकर के नाम से सम्बोधित करते हैं। हिन्दू राष्ट्रवाद की राजनीतिक विचारधारा 'हिन्दुत्व' को विकसित करने का बहुत बड़ा श्रेय सावरकर को जाता है।भारतीय इतिहास में वीर सावरकर का नाम हमेशा गर्व से लिया जाता है। लेकिन वर्तमान में उनके नाम पर काफी विवाद छिड़ा हुआ है। कोई सावरकर को हीरो मानता है तो कोई विलेन। इतिहास को पढ़ने के दौरान समझ में आता है कि जिस लिए सावरकर को माफीवीर कहा जाता है असल में वो खत उन्होंने अपने साथी कैदियों की रिहाई के लिए दिया था। उन्होंने अंग्रेजों के आगे सिर कभी नहीं झुकाया और ना हखुद के लिए माफी मांगी। उन्होंने अंग्रेजों को लिखे खत में एक सिफारिश करते हुए कहा था कि मेरे बजाय मेरे साथी कैदियों की रिहाई को मंजूर किया जाए। हालांकि अब जब मंगलवार को वीर सावरकर की जयंती है तो उनके जीवन के बारे में कुछ प्रमुख बातें जानना जरुरी हैं।

वीर सावरकर का जन्म 28 मई के ही दिन साल 1883 में हुई थी। उनका जन्म भागपुर के नासिक गांव में हुआ था। उनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर है। स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ, वकील, समाज सुधारक और हिंदुत्व दर्शन के सूत्रधार सावरकर के पिता का नाम दामोदर पंत सावरकर और माता का नाम यशोदा सावरकर है। सावरकर ने अपने माता-पिता को छोटी उम्र में ही खो दिया था। उनका जन्म एक हिंदू ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके भाई का नाम गणेश, नारायण और बहन का नाम मैनाबाई था। सावरकर अपने बहादुरी के कारण ही लोगों के बीच वीर सावरकर के नाम से जाने जाते थे। सावरकर के बड़े भाई गणेश से विनायक काफी प्रभावित थे। वीर सावरकर ने पुणे की फर्ग्यूसन कॉलेस से बीए की पढ़ाई की। लंदन से उन्होंने बैरिस्टर की पढ़ाई की। इंग्लैड से ही उन्होंने लॉ की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप मिली और उन्होंने इंग्लैंड की ग्रेज इन लॉ कॉलेज में एडमिशन लिया। यहां उन्होंने 'इंडिया हाउस' में शरण ली। बता दें कि यह उत्तरी लंदन का छात्र निवास था। लंदन में ही उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई के लिए एक संगठन फ्री इंडिया सोसाइटी का गठन किया था। विनायक सावरकर ने पढ़ाई के दिनों से ही अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने का मन बना लिया था। इसके बाद वो स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। अंग्रेजों के नाक में उन्होंने इतना दम कर दिया था कि ब्रिटिश सरकार ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के कारण वीर सावरकर की ग्रेजुएशन की डिग्री वापस ले ली थी।

अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में सावरकर हथियारों के इस्तेमाल से भी पीछे नहीं हटे। 13 मार्च 1910 को उन्होंने लंदन में गिरफ्तार कर लिया गया और मुकदमा चलाने के लिए भारत भेज दिया गया। लेकिन सावरकर जहाज से निकल भागे। हालांकि फ्रांस में उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उन्हें 24 दिसंबर 1910 को अंडमान जेल भेजने की सजा सुनाई गई। उन्होंने जेल में बंद अनपढ़ कैदियों को शिक्षा देने की भी कोशिश की। मोहनदास करमचंद गांधी की हत्या मामले में भारत सरकार द्वारा उनपर आरोप लगाया गया।

वीर सावरकर ने '1857 के विद्रोह' की तर्ज पर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गुरिल्ला युद्ध के बारे में सोचा। उन्होंने द हिस्ट्री ऑफ द वॉर ऑफ इंडियन इंडिपेंडेंस नामक पुस्तक लिखी, जिसने कई भारतीयों को आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, इस किताब पर अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इसने कई देशों में लोकप्रियता हासिल की। इतना ही नहीं, उन्होंने हाथ से बनाए जाने वाले बम और गुरिल्ला युद्ध भी बनाए और दोस्तों में बांटे। उन्होंने अपने मित्र मदन लाल ढींगरा को भी कानूनी सुरक्षा प्रदान की, जो सर विलियम हट कर्जन वायली नामक एक ब्रिटिश भारतीय सेना अधिकारी की हत्या के मामले में आरोपी थे। इस बीच, भारत में वीर सावरकर के बड़े भाई ने 'इंडियन काउंसिल एक्ट 1909' जिसे मिंटो-मॉर्ले रिफॉर्म के नाम से भी जाना जाता है, के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इसके अलावा विरोध के साथ ब्रिटिश पुलिस ने दावा किया कि वीर सावरकर ने अपराध की साजिश रची थी और उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वीर सावरकर पेरिस भाग गए और वहां उन्होंने भीकाजी कामा के आवास पर शरण ली। 13 मार्च, 1910 को उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन फ्रांसीसी सरकार तब बुरा मान गयी, जब ब्रिटिश अधिकारियों ने पेरिस में वीर सावरकर को गिरफ्तार करने के लिए उचित कानूनी कार्यवाही शुरू नहीं की।

अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता का स्थायी न्यायालय ब्रिटिश अधिकारियों और फ्रांसीसी सरकार के बीच विवाद को संभाल रहा था और 1911 में फैसला सुनाया। आपको बता दें कि वीर सावरकर के खिलाफ फैसला आया और उन्हें 50 साल की कैद की सजा सुनाई गई और वापस बंबई भेज दिया गया। बाद में उन्हें 4 जुलाई 1911 को अंडमान और निकोबार द्वीप ले जाया गया।

वहां उन्हें काला पानी के नाम से मशहूर 'सेल्यूलर जेल' में बंद कर दिया गया। जेल में उन्हें बहुत यातनाएं दी गईं। लेकिन, उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्रता की भावना जारी रही और उन्होंने वहां अपने साथी कैदियों को पढ़ाना-लिखाना सिखाना शुरू कर दिया। उन्होंने जेल में एक बुनियादी पुस्तकालय शुरू करने के लिए सरकार से अनुमति भी ली। अपने जेल समय के दौरान उन्होंने एक वैचारिक पुस्तिका लिखी, जिसे हिंदुत्व के नाम से जाना जाता है: हिंदू कौन है?' और इसे सावरकर के समर्थकों ने प्रकाशित किया। पैम्फलेट में उन्होंने हिंदू को 'भारतवर्ष' (भारत) का देशभक्त और गौरवान्वित निवासी बताया और इससे कई हिंदू प्रभावित हुए। उन्होंने जैन धर्म, बौद्ध धर्म, सिख धर्म और हिंदू धर्म जैसे कई धर्मों को एक ही बताया। उनके अनुसार, ये सभी धर्म 'अखंड भारत' (संयुक्त भारत या बृहत भारत) के निर्माण का समर्थन कर सकते हैं।

वह स्वयंभू नास्तिक थे, उन्हें हमेशा हिंदू होने पर गर्व था और उन्होंने इसे एक राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान बताया। 6 जनवरी, 1924 को सावरकर को जेल से रिहा कर दिया गया और उन्होंने 'रत्नागिरी हिंदू सभा' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस संगठन का उद्देश्य हिंदुओं की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना था। 1937 में वीर सावरकर 'हिन्दू महासभा' के अध्यक्ष बने। दूसरी ओर उसी समय मुहम्मद अली जिन्ना ने कांग्रेस शासन को 'हिंदू राज' घोषित कर दिया, जिससे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच पहले से ही बढ़ रहा तनाव और भी बदतर हो गया। दूसरी ओर, हम इस बात को नज़रअंदाज नहीं कर सकते कि वीर सावरकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और महात्मा गांधी के कट्टर आलोचक थे। उन्होंने 'भारत छोड़ो आंदोलन' का विरोध किया और बाद में कांग्रेस द्वारा भारतीय विभाजन को स्वीकार करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने एक देश में दो राष्ट्रों के सह-अस्तित्व का प्रस्ताव रखा।

सावरकर के हिंदुत्व का मतलब हिंदू जीवन पद्धति और हिंदु सभ्यता में गर्व करने वाले लोग हैं। सावरकर के हिंदू राष्ट्र की अवरधारणा सप्त सिंधु में निवास करने वाले लोगों से है। सावरकर के हिंदुत्व में हिंदू वे हैं जिनकी पितृभूमि और पुण्य भूमि दोनों सप्त सिंधु यानी हिंदुस्तान में हो। जिनकी पितृभूमि सप्त सिंधु में है लेकिन पुण्य भूमि कहीं ओर उन्हें ये साबित करना होगा कि वे दोनों से किसे चुनेंगे पितृभूमि या पुण्य भूमि। अगर पितृभूमि को चुनते हैं तो वे हिंदू राष्ट्र में है अगर पुण्य भूमि को चुनते हैं तो फिर हिंदू नहीं।

सरल शब्दों में मुसलमानों की पितृभूमि यानी जन्मस्थल भले ही हिंदुस्तान हो लेकिन पुण्य भूमि हिन्दुस्तान के बाहर मक्का में है। वे हिंदुत्व की इस अवधाराणा से सवाल खड़ा कर रहे थे कि मुसलमान के सामने अगर चुनने का हक होगा तो क्या वे पितृभूमि को चुनेंगे या फिर पुण्य भूमि को। जबकि हिंदुओं, सिखों और बौद्धों की पितृभूमि और पुण्य भूमि दोनों हिदुस्तान है। सावरकर इंग्लैंड में पढ़े थे। वे सोच से आधुनिक थे। अंडमान की सेलुलर जेल भेजे जाने तक वे सेकुलर थे। 1857 की क्रांति के मुस्लिम नायकों के भी मुरीद थे। लेकिन अंडमान की सेलुलर जेल ने सावरकर की सोच और विचारों को बदल कर रख दिया। सावरकर दा टू स्टोरी ऑफ दा फादर ऑफ हिंदुत्व में लिखा है कि सेलुलर जेल में अधिकतर कैदी हिंदू थे। लेकिन उन पर निगरानी के लिए वार्डर से लेकर जेल गार्ड और ओहदेदार सिंधी बलूची तथा पठान मुस्लिम थे। हिंदुओं को ये जिम्मेदारी नहीं दी जाती थी। ये अंग्रेजो की रणनीति थी। जेल में हिंदू बंदियों और क्रांतिकारियों को परेशान करने की। सावरकर की बायोग्राफी समेत उनके जीवन पर लिखी दूसरी पुस्तकों में लिखा कि कैसे जेल में धर्म के आधार पर भेदभाव और धार्मिक उत्पीड़न होने लगा। उत्पीड़न से बचने के लिए कैदी दबाब में धर्म परिवर्तन करने लगे। सावरकर ने इस भेदभाव और धार्मिक उत्पीड़न के खिलाफ जेल में आवाज उठाई और फिर सावरकर के विचार बदलने लगे। सावरकर को जब रत्नागिरी जेल मे शिफ्ट किया गया तब वहां पर भी वैसी ही परिस्थितियां मिली। अंग्रेजों ने देश की अधिकतर जेल में हिदू मुस्लिम के बीच दरार के लिए ये रणनीति अपना रखी थी। लेकिन जेल के सिर्फ ये अनुभव ही उनकी हिंदुत्व की इस अवधारणा के पीछे वजह नहीं थी। इसकी वजह और भी थी। आजादी के आंदोलन के वक्त मुस्लिमों की धर्म के आधार प्रतिनिधित्व की मांग और बढ़ता कट्टरवाद भी इसमें एक प्रमुख वजह थी। कुछ घटनाएं ऐसी थी जिनकी वजह से सावरकर को अपने ही देश में हिंदुओं की असुरक्षा की चिंता सताने लगी।

19वीं सदी की शुरुआत में हुआ था वहाबी आंदोलन। सर सैयद अहमद खान बरलेवी ने इसे शुरू किया था। इसका मकसद था भारत में दारुल उल इस्लाम यानी मुस्लिम शासन लागू करवाना। दारुल उल हर्ब यानी दुश्मन की टैरिटरी में मुस्लिम शासन व्यवस्था लागू करने की इस मुहिम को हैदराबाद के निजाम समेत कुछ मुस्लिम शासकों का समर्थन था। इससे हिंदू मुस्लिम के बीच खाई बढ़ने लगी। बिजनौर में कोर्ट ऑफिसर सैयद अहमद ने 1888 में पहली दफा टू नेशन थ्योरी की मांग रखी और कहा कि हिंदू और मुस्लिम एक साथ नहीं रह सकते है। अंग्रेजों के जाने के बाद मुस्लिमों के लिए सेपरेट इलक्ट्रोरेट की मांग की गई। 1883 में आमिर अली ने मुस्लिमों के लिए अलग से प्रतिनिधित्व की मांग की। आमिर अली ग्लोबल इस्लिमक मूवमेंट का हिस्सा थे। उसका मकसद पैन इस्लिज्म था। मुस्लिम खलीफा यानी टर्की के सुल्तान का हिंदुस्तान के मुस्लिमों से सबंध स्थापित करना। यानी हिंदुस्तान के मुसलमानों की आस्था सुल्तान में व्यक्त करवाना। 1906 में आगा खान की अगुवाई में कुछ मुस्लिम धर्मगुओं ने वायसरॉय मिंटो से शिमला में भेंट की। इस मुलाकात में धर्म के आधार पर सिविल बॉडीज से लेकर लेजिसलेटिव काउंसिल में मुस्लिमों को प्रतिनिधित्व देने की मांग रखी गई। लार्ड कर्जन ने इसी मांग को आधार पर बनाकर बंगाल का धर्म के आधार पर विभाजन कर दिया था।

1906 में मुस्लिम लीग की स्थपना हुई और उसने मुस्लिमों की इकलौती प्रतिनिधि होने का दावा कर दिया। फिर शौकत अली की अगुवाई में हुए खिलाफत आंदोलन ने भी सावरकर की हिंदु राष्ट्र की सोच को और बल दिया। इस आंदोलन का मकसद था खलीफा की बहाली और अरब जगत से हिंदुस्तान के मुसलमानों का संबध जोड़ना। 1921 में मालाबार तट के नजदीक रहने वाले मोफला मुस्लिम समुदाय के जिहाद के ऐलान ने सावरकर की हिंदू राष्ट्र की सोच को और मजबूत किया। मोफला विद्रोहियों ने 600 हिंदुओं की हत्या की और 2500 का धर्म परिवर्तन कराया। सावरकर खुद प्रेक्टिसिंग हिंदू नहीं थे। यानी वे न तो पूजा पाठ करते थे न ही वर्णाश्रम धर्म की कठोरता से पालन के पक्षधर थे। न वे गौ पूजा के पक्ष में थे। लेकिन एक राष्ट्र की उनकी परिकल्पना हिंदू राष्ट्र की थी। यानी सप्त सिंधु हिंदुओं की भूमि है तो उस पर अधिकार और फैसलों का हक भी हिदुओं का हो।

नजरिया

गर्मी की तपन से पशु पक्षी और पेड़ पौधे भी हलकान

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

भीषण गर्मी और हीट वेव की तपन मानव के साथ बेजुबान पशु पक्षियों और हमें जीवनदायी आक्सीजन प्रदान करने वाले पेड़ पौधों को भी हलकान कर रही है। गर्मी ने पशु-पक्षियों को चपेट में लेना शुरू कर दिया है। पशु-पक्षियों को जिंदा रहने के लिए हर रोज पानी की जरूरत होती है। गर्मियों में हर साल सैकड़ों पक्षी और आवारा पशु पानी की कमी से मर जाते हैं। तेजी से कम होते प्राकृतिक जल स्रोत और पेड़ों की कमी से इन बेजुबानों की स्थिति विकट हो गई है। गर्मियों में पक्षियों को भी प्यास अधिक लगती है जबकि पानी की उपलब्धता कम हो जाती है। गर्मी की तपन के साथ बेजुबान जानवरों की परेशानियां बढ़ गयी। एक जमाना था जब देशभर में पानी के प्राकृतिक स्रोत मौजूद थे। मगर आज पानी के प्राकृतिक स्रोत न के बराबर हैं। जो बचे भी हैं उनका पानी पीने योग्य नहीं है।

ऐसे में आप तो अपने घर में साफ पानी की व्यवस्था कर लेते हैं मगर जानवरों और पक्षियों को इन्हीं गंदे पानी के स्रोतों से प्यास बुझानी पड़ती है जिससे इनको फायदा कम होता है बल्कि ये बीमार भी हो जाते हैं। घरों के आँगन तथा छत पर पंछियों के लिए छोटे-छोटे पात्रों में जल भरकर रखना चाहिए, जिससे गर्मी में थक कर आये पक्षी जल

ग्रहण कर पुनः अनंत आकाश में गोता लगा सकें। गर्मी की तपन से इन्हें बचाने के लिए जिस तरह इंसान को शुद्ध पानी और वायु की जरूरत होती है, उसी प्रकार गर्मी में पशु, पक्षियों के लिए पानी का इंतजाम लोग करते हैं, ताकि पक्षियों को भी जीवन मिल सके। पशु-पक्षियों की सेवा करने वाले लोगों का मानना है घर की छतों पर पक्षियों के लिए दाना पानी रखने से घर में स्मृद्धि आती है। शास्त्रों में बेजुबान जानवरों की सेवा करने के लिए कहा गया है। इसका भी अपना धार्मिक महत्व है। साथ ही पशुओं और पक्षियों की सेवा करने से मन को काफी शांति मिलती है। ज्योतिष के अनुसार भी पक्षियों को पाने पिलाने के बहुत से फायदे हैं। पशु पक्षियों को दाना और पानी पिलाने से भविष्य में आपके ऊपर आने वाली परेशानियां ये बेजुबान जानवर अपने ऊपर ले लेते हैं। इसके अलावा यह आपके ग्रह संबंधी दोषों को भी दूर करते हैं जिससे आपकी परेशानियां कम होने लगती है।

गर्मी शुरू होते ही समाज सेवी लोग जगह-जगह प्याऊ की व्यवस्था करते है। आज जरुरत इस बात की है की ठीक वैसे ही पक्षियों के लिए भी प्याऊ की व्यवस्था की जाये ताकि उन्हें भी गर्मी में साफ और ठंडा पानी मिल सके। साफ पानी न मिलने से उन्हें गर्मी में ज्यादा तकलीफ होती है। पानी खत्म होते ही दूसरा पानी और गर्म होते ही ठंडा पानी भरें, ताकि जानवरों को भी शुद्ध और ठंडा पानी मिल सके।

घर के बाहर या बालकनी में छांव वाली जगह पर बर्तन में पानी भरकर रखें। पानी और दाना आदि रख रहे हैं तो नियमित तौर पर इसे बरकरार रखें। इस चीज को सुनिश्चित कर लें कि पानी का बर्तन जानवर या पक्षी के आकार के लिहाज से उचित हो, ज्यादा छोटा या ज्यादा बड़ा बर्तन भी ठीक नहीं। एक समय ऐसा भी था जब लोग अपने घरों के बाहर जानवरों के लिए पानी के छोटे कुंड बनाते थे मगर शहरीकरण के कारण यह व्यवस्था छिन्न भिन्न हो गयी। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। मनुष्य तो पानी का संग्रहण कर रख लेता है, लेकिन परिंदे व पशुओं को तपती गर्मी में यहां-वहां पानी के लिए भटकना पड़ता है। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर पड़ते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत में युवाओं के कैंसर की चपेट में आने के मामले बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से संचालित हेल्पलाइन नंबर पर फोन कॉल करके दूसरी राय के तहत चिकित्सक से परामर्श लेने वाले कैंसर रोगियों में से 20 प्रतिशत की उम्र 40 वर्ष से कम थी जो इस बात का संकेत है कि युवाओं के कैंसर की चपेट में आने के मामले बढ़े हैं। संगठन से प्राप्त डेटा से तो यही पता चलता है। कैंसर रोग विशेषज्ञों की ओर से शुरू किये गये 'कैंसर मुक्त भारत फाउंडेशन' के मुताबिक एक मार्च और 15 मई के बीच 1368 लोगों ने कॉल किया। अध्ययन से पता चला कि 40 वर्ष से कम उम्र के 60 प्रतिशत कैंसर रोगी पुरुष थे। यह भी पाया गया कि सबसे अधिक प्रचलित मामले सिर और गर्दन के कैंसर (26 प्रतिशत) के थे, इसके बाद 'गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर' (16 प्रतिशत), स्तन कैंसर (15 प्रतिशत) और रक्त कैंसर (नौ प्रतिशत) के मामले पाए गए। एनजीओ के एक बयान में कहा गया है कि सबसे ज्यादा फोन कॉल हैदराबाद से प्राप्त हुए इसके बाद मेरठ, मुंबई और नई दिल्ली का स्थान था। मरीजों के लिए दूसरे चिकित्सक की निःशुल्क राय उपलब्ध कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर (93-555-20202) शुरू किया गया। यह सोमवार से शनिवार तक सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक चालू रहता है। कैंसर रोगी प्रमुख कैंसर रोग विशेषज्ञ (ऑन्कोलॉजिस्ट) से सीधे बात करने के लिए हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या अपने कैंसर के इलाज पर चर्चा करने के लिए वीडियो कॉल भी कर सकते हैं। कैंसर मुक्त भारत अभियान का नेतृत्व कर रहे प्रधान अन्वेषक और वरिष्ठ 'ऑन्कोलॉजिस्ट' डॉ. आशीष गुप्ता ने कहा कि हेल्पलाइन नंबर की शुरुआत के बाद से यह पूरे भारत के कैंसर रोगियों के लिए एक सहायता प्रणाली साबित हुई है और हर दिन लगभग सैकड़ों फोन कॉल प्राप्त होते हैं।

यह अध्ययन हमें उपचार के प्रति अधिक लक्षित कैंसर दृष्टिकोण बनाने और भारत को 'कैंसर मुक्त' बनाने में मदद करता है। हमने पाया कि सिर और गर्दन के कैंसर के मामले सबसे अधिक हैं, जिसे जीवनशैली में सुधार, टीकाकरण और जांच से लगभग पूरी तरह से रोका जा सकता है। स्तन और मलाशय के कैंसर का प्रारंभिक चरण में पता लगाने के लिए प्रभावी जांच विधि मौजूद है। दुर्भाग्य से समुचित जांच को कम अपनाने के कारण लगभग दो तिहाई कैंसर का देर से पता चलता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि भारत में पता लगाए गए कैंसर के मामलों में से 27 प्रतिशत मामले चरण एक और दो के होते हैं, जबकि 63 प्रतिशत कैंसर के मामले तीसरे या चौथे चरण के होते हैं। दूसरी राय के तहत परामर्श लेने वाले कैंसर रोगियों का सबसे आम सवाल यह था कि उनके कैंसर का इलाज सही और अद्यतन है या नहीं। उन्होंने कहा, कुछ मरीजों ने अपने कैंसर से संबंधित इलाज के लिए नवीनतम उपचार या दवा की उपलब्धता के बारे मे भी जानना चाहा क्योंकि कैंसर के इलाज में लगभग हर हफ्ते नई दवाओं को मंजूरी दी जाती है। उन्होंने कहा कि दूसरा सबसे आम सवाल यह था कि मरीज यह पूछ रहे थे कि उनका कैंसर किस चरण में है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि कैंसर मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य शिक्षा और शीघ्र पता लगाने के माध्यम से व्यक्तियों और समुदायों में कैंसर होने के मामलों और मरीजों पर इसके असर को कम करना है।

पाक में आतंकवादियों ने बस जलायी, यात्रियों को प्रताड़ित किया: पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने एक बस को जला दिया और उसके यात्रियों को प्रताड़ित किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को उस समय हुई जब द्राजिंदा से डेरा इस्माइल खान जा रही बस को दराबान तहसील में टीटीपी आतंकवादियों ने रोक लिया और यात्रियों को जबरन उतार दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, घटना के दौरान टीटीपी आतंकवादियों ने यात्रियों को उतारने के बाद बस को जला दिया। उन्होंने सबसे पहले यात्रियों को प्रताड़ित किया और बाद में सरकार का समर्थन करने की वजह से उन्हें धमकी दी। बाद में भागने से पहले आतंकियों ने बस को जला दिया। हालात पर काबू पाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिणी जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगभग ध्वस्त हो गई है।
आतंकवादियों ने बाद में शाम के समय कानून व्यवस्था अपने हाथ में ले ली और उन्हें अशांत कबीलाई जिलों दक्षिणी और उत्तरी वजीरीस्तान की सीमाओं से सटी मुख्य सड़कों पर गश्त करते देखा गया।

प्रचार

सिराज विधानसभा में रविवार को आयोजित जनसभा को संबोधित करती भाजपा प्रत्याशी कंगना रानौत।

अगले दो-तीन साल में देश नक्सल समस्या से मुक्त हो जाएगा: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में नक्सलवाद की समस्या अगले दो-तीन साल में समाप्त हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि छत्तीसगढ़ के एक छोटे से क्षेत्र को छोड़कर समूचा देश इस खतरे से मुक्त हो चुका है। शाह ने शनिवार देर रात एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि पशुपतिनाथ से तिरुपति तक तथाकथित नक्सल गलियारे में माओवादियों की कोई मौजूदगी नहीं है। उन्होंने कहा, देश से नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। कभी पशुपतिनाथ से तिरुपति तक के नक्सल कॉरिडोर के बारे में कुछ लोग कहा करते थे। अब झारखंड नक्सलियों से पूरी तरह मुक्त हो गया है। बिहार पूरा मुक्त हो गया। ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश भी पूरे मुक्त हो गए हैं। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश भी पूरे मुक्त हो गए हैं।

शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यह पूरा मुक्त नहीं हो पाया है और वहां के कुछ हिस्सों में अब भी नक्सली सक्रिय हैं क्योंकि पिछले पांच साल से राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। उन्होंने कहा कि पांच महीने पहले जब से राज्य में भाजपा सरकार ने सत्ता संभाली है, तब से छत्तीसगढ़ को नक्सलियों से मुक्त कराने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, जब से हमारी सरकार (छत्तीसगढ़ में) बनी है, तब से करीब 125 नक्सली मारे गए, 352 से अधिक को गिरफ्तार किया गया और करीब 175 ने आत्मसमर्पण किया। अगर आप आज (25 मई) के आंकड़े को भी गिन लें तो करीब पौने दो सौ ने आत्मसर्मपण किया है। यहां मैं सिर्फ पिछले पांच महीनों के आंकड़ों की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा, अगले 2 साल के अंदर या 3 साल के अंदर देश नक्सल समस्या से मुक्त हो जाएगा। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में 16 अप्रैल को सुरक्षाकर्मियों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया था।

इसमें नक्सलियों के कुछ वरिष्ठ कैडर भी शामिल थे। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ राज्य की लड़ाई के इतिहास में एक ही मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की यह सबसे अधिक संख्या थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वामपंथी चरमपंथ की घटनाएं 2004-14 के दशक में 14,862 से घटकर 2014-23 में 7,128 हो गई हैं। वामपंथी उग्रवाद के कारण सुरक्षा बलों की मौतों की संख्या 2004-14 में 1750 से 72 प्रतिशत घटकर 2014-23 के दौरान 485 हो गई है और उक्त अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या 4285 से 68 प्रतिशत घटकर 1383 हो गई है।

फिल्म 'ऑल वी इमैजिन इज लाइट' को कांस में ग्रैंड प्रिक्स अवार्ड से नवाजा गया

मुंबई/एजेन्सी

पायल कपाड़िया के निर्देशन में बनी फिल्म 'ऑल वी इमैजिन इज लाइट' को कांस में ग्रैंड प्रिक्स अवार्ड से नवाजा गया।

पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' ने कान्स का दूसरा सबसे बड़ा ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड हासिल कर लिया है। फिल्म को कांस की सबसे प्रतिष्ठित कैटेगरी 'पाम डी'ओर' के अंतर्गत प्रीमियर किया गया था,इस कैटेगरी में यह 30 साल बाद सिलेक्ट होने वाली भारतीय फिल्म थी। इससे पहले 1994 में फिल्म 'स्वाहम' को इस कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था। पाम डी ओर कैटेगरी में पायल फिल्म भले ही अवार्ड नहीं हासिल कर सकी लेकिन फिल्म ने कान्स का दूसरा सबसे बड़ा ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड हासिल कर लिया है।

कांस में पहली बार भारतीय फिल्म को ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड:सम्मान पाने वाली पहली भारतीय निर्देशक पायल कपाड़िया बन गयी हैं। पायल कपाड़िया ने कहा,'शुक्रिया कांस फिल्म फेस्टिवल हमारी फिल्म को यहां प्रीमियर करने के लिए। प्लीज एक और भारतीय फिल्म के लिए हमें अगले 30 वर्षों तक इंतजार न कराएं।'सिर्फ कान्स ही नहीं, पायल को इस अचीवमेंट के लिए देशभर से बधाइयां मिल रही हैं। कई सेलिब्रिटिज भी उन्हें बधाई दे रहे हैं।इस फिल्म की मुंबई में रहने वाली केरल की दो नर्स प्रभा और अनु के इर्द-गिर्द बुनी गई है। दोनों एक ही फ्लैट में रहती हैं।

जहां प्रभा अपने पति के लौटने का इंतजार कर रही है, वहीं अनु केरल से मुंबई आए एक मुस्लिम लड़के शियाज से प्रेम में पड़ जाती है।दोनों के साथ धोखा खाई एक अधेड़ उम्र की औरत भी है। तीनों इतने बड़े शहर के अंधेरे में अपने-अपने तरीके से रोशनी खोजने की कोशिश कर रही हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिकाएं कनी कस्तूरी, दिव्य प्रभा, छाया कदम,ह्रधुर हारून आदि ने निभाई है।

संकल्प सभा

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी रविवार को फतेहगढ़ साहिब (पंजाब) में एक न्याय संकल्प सभा में।

प्रोडक्शन में उतरने की जल्दबाजी नहीं : सोनाक्षी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि फिल्म प्रोडक्शन में उतरने की उन्हें जल्दबाजी में नहीं हैं। आलिया भट्ट, कृति सैनन, हुमा कुरैशी और तापसी पन्नू समेत ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं, जो अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हैं। हालांकि, उन्हीं के समकालीन अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा फिलहाल फिल्म प्रोडक्शन में उतरने की जल्दबाजी में नहीं हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा,फिलहाल मेरे पास जिस तरह के प्रस्ताव आ रहे हैं, तो मैं एक्टिंग और अपनी नेल्स (नाखून) कंपनी चलाने में व्यस्त हूं। मेरी सारी ऊर्जा इन्हीं दोनों में जा रही है।फिलहाल मुझे जिस तरह के काम के प्रस्ताव मिल रहे हैं, मैं उससे बहुत खुश हूं। मैं अच्छे काम चुनना और करना चाहती हूं। मेरे पास फिल्में प्रोड्यूस करने के लिए टीम के साथ बैठने और स्क्रिप्ट पर काम करने का समय नहीं है। यदि मैं कुछ करती हूं, तो उसमें अपनी क्षमता का शत प्रतिशत देती हूं। मैं आधे दिल से कोई काम नहीं कर सकती हूं।

फिल्म 'सत्यभामा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानीमानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल की आने वाली फिल्म सत्यभामा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। काजल अग्रवाल फिल्म सत्यभामा में पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आयेंगी। ट्रेलर में काजल अग्रवाल को सत्यभामा नाम की एक शक्तिशाली पुलिसकर्मी की भूमिका में दिखाया गया है , जो एक हत्या के मामले को सुलझाने के दौरान विभिन्न चुनौतियों का सामना करती है।इस सस्पेंसफुल ड्रामा में काजल अग्रवाल के साथ नवीन चंद्रा ,प्रकाश राज, नागिनेदु, हर्षवर्द्धन, रवि वर्मा, अंकित कोय्या, सम्पदा एन और प्रज्वल यादमा सहित कई कलाकार भी हैं। सत्यभामा का निर्माण ऑरम आर्ट्स बैनर के तहत बॉबी टिक्का और श्रीनिवास राव टक्कलपेल्ली द्वारा किया गया है। पटकथा शशि किरण टिक्का द्वारा तैयार की गई है, और संगीत श्रीचरण पकाला द्वारा रचित है। सुमन चिक्कला द्वारा यह फिल्म 07 जून 2024 को रिलीज होगी।

समर्थक

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के घोसी में रविवार को लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के दौरान भाजपा समर्थक।

फिल्म 'ब्लैकआउट' का गाना चित्रलेखा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी की आने वाली फिल्म 'ब्लैकआउट' का गाना 'चित्रलेखा' रिलीज हो गया है फिल्म 'ब्लैकआउट' का टीज़र हाल ही में रिलीज़ किया गया था और इसने अपराध, रोमांच और कॉमेडी के अपने बेहतरीन मिश्रण के लिए चर्चा बटोरी है। निर्माताओं ने अब फिल्म का पहला गाना 'चित्रलेखा' रिलीज़ कर दिया है जो अब पैनोरमा म्यूज़िक पर उपलब्ध है। इस गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है और कंपोज और लिखा भी है। यह गाना एक रोमांचक और साहसिक रात का सार प्रस्तुत करता है जो डकैती और लालच के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जो सब कुछ बदल देता है।

इस गाने में विक्रांत मैसी के किरदार को दिखाया गया है जो एक ट्रक से कार की टक्कर की घटना में शामिल है। यह ट्रक नकदी, सोना और अन्य कीमती सामान से भरा हुआ है। 11:11 प्रोडक्शंस के सहयोग से जियो स्टूडियोज़ फिल्म ब्लैकआउट को प्रजेंट कर रही है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी, मौनी रॉय, सुनील ग्रोवर और जीशु सेनगुप्ता की अहम भूमिका है। जियो स्टूडियो के लिए ज्योति देशपांडे और 11:11 प्रोडक्शंस के लिए नीरज कोठारी ने इसे प्रोड्यूस किया है। देवांग भावसार निर्देशित ब्लैकआउट 07 जून 2024 को जियो सिनेमा पर रिलीज़ के लिए तैयार है।

'सिकंदर' में खुद एक्शन करेंगे सलमान खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर के एक्शन सीक्वेंस खुद करेंगे। सलमन खान ने इस साल ईद के अवसर पर अपनी नई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'सिकंदर' अनाउंस की थी।

इस फिल्म में सलमान के साथ रश्मिका मंदाना नजर आयेंगी।सलमान खान फिल्म सिकंदर की तैयारी में जुट गये हैं। एक बार फिर एक्शन दिखाने के लिए उन्होंने कड़ी तैयारी की है।'सिकंदर' की शूटिंग की तैयारी शुरू हो गई है। प्री-प्रोडक्शन का काम पिछले हफ्ते शुरू हो गया है।'सिकंदर' के पहले शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में शुरू होने जा रही है।

सलमान खान एक्शन सीक्वेंस करने के लिए जमकर एक्सरसाइज कर रहे हैं। वह खुद से ही एक्शन करना चाहते हैं और इसी चीज को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपना वर्किंग रूटीन भी बदल दिया है। जून के शुरुआत में सलमान और रश्मिका मंदाना स्क्रिप्ट रीडिंग का सिलसिला शुरू करेंगे। पहले शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में होगी। इसके बाद हैदराबाद में। कुछ सीक्वेंस विदेश में भी शूट हो सकते हैं। फिल्म 'सिकंदर' का प्रोडक्शन साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं।'सिकंदर' अगले साल ईद 2025 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कांस फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनीं अनसूया सेन गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

कोलकाता की रहने वाली अभिनेत्री अनसूया सेनगुप्ता कांस फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बन गयी हैं। बल्गेरियाई निर्देशक कॉन्स्टेंटिन बोजानोव की हिंदी भाषा की फिल्म द शेमलेस के लीड स्टार्स में से एक अनसूया सेनगुप्ता ने 2024 कान्स फिल्म फेस्टिवल में अन सर्टन रिगार्ड कैटेगरी में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। अनुसूया सेनगुप्ता इस कैटेगरी का टॉप अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय कलाकार हैं। यह इस प्रेस्टीजियस फिल्म फेस्टिवल में भारत के लिए एक अहम मील का पत्थर है।द शेमलेस की शूटिंग भारत में हुई है। इसमें दिल्ली की दो सेक्सवर्कर की कहानी है।

स्टेज पर जब अनसुइया का नाम अनाउंस किया गया तो वो भावुक हो गईं।

अनसुइया ने यह अवॉर्ड दुनियाभर में समलैंगिक समुदाय और हाशिए पर रहने वाले अन्य समुदायों को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि ये सभी समुदाय बहादुरी से एक ऐसी लड़ाई लड़ रहे हैं जो उन्हें नहीं लड़नी चाहिए। उन्हें समाज में बराबरी का हक पाने के लिए लड़ना पड़ रहा है। द शेमलेस की कहानी दो सेक्स वर्कर्स के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिनमें से एक के हाथों एक पुलिस वाले का खून हो जाता है। इस फिल्म में अनसुइया के अलावा एक्ट्रेस ओमारा शेटटी भी अहम रोल में नजर आ रही हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 27-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अक्षय तृतीया का पवित्र दिन जैन धर्म के अनुसार इस युग के भिक्षा विधि के प्रारम्भ का दिन हैं। इस दिन भगवान ऋषभदेव के एक वर्ष से ऊपर की तपस्या का पारणा हुआ था। भगवान ऋषभ का तप अनुपमेय था। भगवान ऋषभ इस युग के प्रथम राजा कहलाए, प्रथम मुनि बने, प्रथम भिक्षुक कहलाए और प्रथम तीर्थंकर बने। भगवान ऋषभ का जीवन समग्रता लिए हुए था। जिन्होंने समाज के लिए भी अपना समय लगाया, लोगों को असि, मषि, कृषि का प्रशिक्षण दिया और बाद में साधना में लीन बने।

रिसोर्ट प्रोजेक्ट को लेकर समस्त गोडवाड़ की सभा में दिखा उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के तत्वावधान में समस्त जैन समाज के सहयोग से बनने जा रहे रिसोर्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी देने हेतु गोडवाड़ भवन के राणावत अतिथि भवन में गोडवाड़ प्रवासियों की एक सभा का आयोजन रविवार को किया गया।

गोडवाड़ भवन के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि रिसोर्ट हेतु सात एकड़ के विशाल भूखंड की खरीदी की जा चुकी है तथा वृहद रुप देने के लिए शीघ्र ही तीन एकड़ अतिरिक्त भूखंड की भी रजिस्ट्री करवा ली जाएगी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण नंदी हिल की गोद में बनने जा रहे शुद्ध शाकाहारी रिसोर्ट में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 4 ब्लॉक में 200 बड़े बड़े कमरे, 15 विला, स्वीमिंगपूल, खेलकूद मैदान, इंडोर गेम्स कोर्ट, कांफ्रेंस हॉल, बड़ा आडिटोरियम, फव्वारा आदि सुविधाएं होगी। नित्य दर्शन पूजा का पालन करने वालों के लिए जिनालय का भी निर्माण होगा।

प्रोजेक्ट चेयरमैन निशांत रांका ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के साथ गोल्ड कार्ड योजना भी प्रारंभ की गई जिसमें उस कार्ड का धारक दो दिवसीय महोत्सव नि:शुल्क उपयोग कर पाएगा। सभा में घोषणा के साथ ही उत्साह देखते बना और इस योजना हेतु करीब 125 कार्ड की उदारमनाओं ने स्वेच्छा से घोषणा की। सभा में इस चातुर्मास प्रारंभ से पूर्व खाद मुहूर्त व भूमि पूजन का कार्यक्रम रखना भी प्रस्तावित हुआ।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के त्रि उपाध्यक्ष भंवरलाल करबावाला, ललित कुमार तलेसरा और प्रवीण कुमार सोनीगरा, द्वि सहमंत्री रमेशकुमार चांदावत व रंगराज हिंगड़, कोषाध्यक्ष गौतम के मेहता, सह कोषाध्यक्ष राजेश कुमार राठौड़, कार्यकारिणी सदस्य कांतिलाल राठौड़, अशोक करबावाला, हरीश सोलंकी, ट्रस्टी भवरलाल श्रीश्रीमाल, पारसमल पुनमिया, संजीव रांका, महासभा के अशोक कुमार बंबोली, भरत सेमलानी, निर्मल धोका, अमृतलाल तलेसरा, हंसमुख सोनीगरा, विमल सोनीगरा, कपिल खांटेड़, सुरेश मेहता, महीपाल सुराणा आदि उपस्थित थे।

खिलाड़ियों के लिए खेलना ही प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए : ओसवाल

'जीतो' स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स 2024 का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रतियोगिताओं का लक्ष्य प्रतिभाओं को प्रोत्साहन करना होता है। खेल प्रतियोगिता सिर्फ विजय या पराजय तक सीमित नहीं होनी चाहिए। खेलना ही प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। परिणाम के बाद युवा अपनी हार जीत का विश्लेषण कर स्वयं को निखार सकता है।

यह विचार जीतो अपेक्स एडवाइजरी काउंसिल के उपाध्यक्ष मोतीलाल ओसवाल मुम्बई, ने दिए। वह स्पोर्टस जीतो नेशनल गैम्स 2024 प्रतियोगिता में तीन गोल्ड मेडल विजेता निमिशा मेहता, 4 रजत पदक विजेता दिव्यांग नतानिया जैन और चार ब्रांज मेडल विजेता हिमांशी चौधरी को सम्मानित कर

ग्राण्ड फिनाले के समापन सत्र में बोल रहे थे।

जीतो चेप्टर बेंगलूरु के संस्थापक तेजराज गुलेच्छा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा जीतना तो एक को ही है पर हार में भी जीत है। जो खिलाड़ी मेडल जीते है वे आगे की तैयारी करे, जो हारे है वे और मेहनत करे। मुख्य अतिथि श्रेयंका पाटिल द्वारा जीतो नेशनल गेम्स 2024 में संभागी सभी खिलाड़ियों को प्रभावी प्रेरणा दी गई। केकेजी ज़ोन के चेयरमेन अशोक सालेचा ने आयोजक बेंगलूरु नॉर्थ के सुव्यवस्थित कार्यशैली की सराहना करते हुए बधाई दी और कहा की संपूर्ण कार्य तरीक़े से आयोजित हुआ। प्रतियोगिताओं में कहीं भी वाद-विवाद की गुंजाइश नहीं रही। पूर्व अध्यक्ष पारस भंडारी ने कहा कि खुशी एवं गौरव की बात है बेंगलूरु को मौक़ा मिला और जोन ने पूरा सहयोग दिया। जीतो के बुलावे पर बच्चों की प्रतिभा आगे आई पूरे खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया।

अपेक्स से श्रमण आरोग्यम के चेयरमेन रमेश हरण, खेल संयोजक विक्की ओसवाल, टीएनएपीटीस एवं केकेजी खेल संयोजक संजय सिसोदिया ने बधाई दी। अशोक नागोरी, महेश नाहर, रणजीत सोलंकी, राजेश मेहता, हिम्मत मांडोत, पंकज जैन, रमेश दक, उपाध्यक्ष प्रवीण शाह, सुभाष खिंवेसरा, सिद्धार्थ बोहरा, कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी, कमल पुनमिया, नितिन कटारिया आदि ने विजेता सभी खिलाड़ियों को मेडल, सर्टिफिकेट, पुरस्कार राशि से सम्मान किया। जीतो नेशनल गेम्स 2024 के संयोजक एवं बेंगलूरु नॉर्थ के उपाध्यक्ष राजेश मुथा ने पिछले दो-ढाई माह लगातार इस कार्य का निर्देशन करते हुए विभिन्न समितियाँ बनाई। देश के हर के क्षेत्रों से संपर्क साधा और बड़े पैमाने पर इस आयोजन की रूप रेखा तैयार कर इसे क्रियान्वित का रूप दिया। बेंगलूरु नॉर्थ चेयरमेन इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री सुधीर गादिया ने संचालन किया।

'जीवन में अच्छे कर्म करें'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । यहां प्राप्त समाचार के अनुसार आचार्यश्री महेन्द्रसागर सूरीश्वरजी म.सा. ने सितारा के निरा में श्रेयांसनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में धर्मचर्चा में श्रद्धालुओं को कहा कि हमें कर्म अच्छे करना चाहिए। अच्छे कर्म ही हमारी कर्म की बैलेन्स सीट में लाभांश देती है। उन्होंने बताया कि इन्कम टैक्स विभाग को हिसाब देने में पसीना छूट जाता है। तो कर्मराजा को अपनी पूरी जिन्दगी का लेखा जोखा देने में आपकी क्या हालात होगी कभी सोचा है क्या आपने? अत: जीवन में काम इतने अच्छे कीजिए कि कर्मराजा को हिसाब देने में जरा भी हिचकिचाहट न हो और उस समय याद करने की जरूरत न पड़े सभी कर्म अच्छे रहेंगे तो जो भी याद आएगा अच्छा कर्म ही होगा। आचार्यश्री मुनिमंडल के साथ विहार रत हैं और 29 मई तक पूना पहुंचेंगे।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम की वार्षिक सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरु ने 26 मई को हनुमंतनगर तेरापंथ सभा भवन में वार्षिक सामान्य सभा आयोजित की। फोरम के अध्यक्ष हितेश गिरिया ने सभी का स्वागत किया। सचिव पियूष डागा ने मंत्रिप्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष सुमति बैद ने वित्तीय रिपोर्ट पटल पर रखी। सदस्यों ने समाज हित में अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर राष्ट्रीय पंच अशोक सुराणा, उपाध्यक्ष हिम्मत जैन, राष्ट्रीय सहसचिव लक्ष्मीपत मालू, साउथ जोन उपाध्यक्ष विक्रम कोठारी साउथ जोन, सचिव सरवन जैन, बेंगलूरु पूर्व अध्यक्ष चंपालाल नाहर और अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। वर्षा जैन ने धन्यवाद दिया। पीयूष डागा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जेपीनगर सूर्य मंदिर : सौर संस्कृति संरक्षण केंद्र बनाने पर विमर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां जेपी नगर में नवप्रतिष्ठित सूर्यनारायण मन्दिर को भारतीय सौर परंपरा के राष्ट्रीय केंद्र बनाने का निर्णय प्रबंध समिति की ओर से लिया गया है। इस उद्देश्य को लेकर गत तीन दिनों तक बिहार के मगध क्षेत्र से आये परम्पगत जानकार राजेन्द्र पाठक के साथ इस विषय पर तीन दिवसीय विचार विमर्श मन्दिर के संस्थापक सुनील शर्मा और शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के सदस्यों के साथ हुई। रविवार की मुख्य विचार गोष्ठी में मन्दिर की प्रबंध समिति ने यह निर्णय लिया कि आनेवाले दिनों में मन्दिर समिति राष्ट्रीय स्तर पर सौर परम्परा को आगे बढाने के नियमित कार्य करेगी।

बैठक का निर्देशन मन्दिर के संस्थापक और बेंगलूरु के प्रतिष्ठित व्यवसायी सुनील शर्मा ने की। बैठक में मुख्य रूप से चेन्नई समाज

अध्यक्ष किशोर शर्मा और बिहार के शाहाबाद मगध क्षेत्र के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ता राजेन्द्र पाठक की उपस्थिति रही। सनद हो कि सूर्य उपासना की परम्परा को सौर संस्कृति कहते हैं और इसका केंद्र उत्तर भारत का मगध क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से रहा है। बैठक में सूर्यनारायण मन्दिर की पूजा परम्परा और आयोजनों में सौर संस्कृति को आगामी दिनों में विशेष बनाने की सहमति हुई साथ ही मन्दिर कार्यालय में सौर संस्कृति के चिन्ह, चित्र और साहित्य सहित मंत्रों को संकलित करने साज सज्जापूर्वक रखने का निर्णय लिया गया। मन्दिर प्रबंध समिति परिसर में आयुर्वेद और ज्योतिषीय विषयों के साहित्य और सामग्रियों का भी संकलन करेगी।

यह भी निर्णय लिया गया कि हर छमाही में एक सौर संगोष्ठी का आयोजन मन्दिर परिसर में होगा ताकि सौर संस्कृति के संरक्षण की ओर आगे बढ़ा जा सके। इस अवसर पर सुनील शर्मा, किशोर शर्मा, राजेन्द्र पाठक, चेतन शर्मा, भूपेश कश्यप, अश्विन शर्मा, राजेश शर्मा, संदीप शर्मा, चंद्रप्रकाश शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

जैन कॉलेज में बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलुरु सेंट्रल के तत्वावधान में 27 मई को वासवी टेम्पल रोड़ स्थित वीवीपुरम जैन कॉलेज में बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक बालक बालिकाओं ने कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के अध्यापन व्यवस्था सहयोग से जैन धर्म, दर्शन, इतिहास, तत्व के साथ सामान्य ज्ञान की जानकारी प्राप्त की। विभिन्न चार्टों के माध्यम से बच्चों को भगवान महावीर का जीवन परिचय बताया गया।

संघ के मंत्री महेन्द्र मुणोत ने इस अवसर पर बड़ों के लिए प्रति रविवार को आयोजित सामूहिक प्रार्थना एवं सामायिक साधना कार्यक्रम में युवा टीम के साथ व्यवस्था संभाली। अध्यापन व्यवस्था में संजय कुमार कचोलिया, संजना मरलेचा, अलका कोचेटा ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

हैदराबाद की ओर विहार रत आचार्य प्रसन्नसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री प्रसन्न सागरजी महाराज ससंघ की अहिंसा संस्कार पदयात्रा हैदराबाद की ओर बढ़ रही है। 26 मई को आचार्यश्री संघ के सहित चिकबल्लापुर स्थित कस्तूबा गांधी बालिका विद्यालय पहुंचे। यहां गुरु पूजा प्रतिक्रमण और आरती हुई।

इस अवसर पर प्रवर्तक डॉ. मुनिश्री सहजसागरजी म. सा. ने कहा कि कर्म को रोकने में संवर की मुख्य भूमिका है। तभी कर्मों की निर्जरा तप-संयम के माध्यम से सम्भव है। जैसे नदी में नाव चल रही हो और उसमें छेद हो तो पहले छेद बंद करना पड़ेगा। उसके बाद नाव का पानी ख़ाली करना होगा। पानी का नाव में अंदर आने को रोकना संवर है और नाव से पानी का खाली होना निर्जरा है। बेंगलूरु से मातुश्री सरोज देवी सरावगी, राहुल सरावगी, रुचि सरावगी, अनिल ठोलिया, अनिता ठोलिया सहित अनेक भक्तगण हैदराबाद से भी गुरुवर के पदविहार में निरंतर चल रहे हैं।

शुभारंभ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में सेरेन मेड लाउंज ने बेंगलूरु में अपना पहला क्लिनिक 26 मई को शेषाद्रीपुरम क्षेत्र में शुरु किया है। यहां सर्जिकल उत्कृष्टता और उन्नत चिकित्सा प्रौद्योगिकी लेकर डॉ. अनिल मेहता के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा को शल्य चिकित्सा उत्कृष्टता के साथ जोड़ती है। कर्नाटक सरकार के कानून, संसदीय मामले और पर्यटन मंत्री एचके पाटिल और प्रसिद्ध कन्नड़ अभिनेत्री तेजस्विनी शर्मा की मौजूदगी में इस क्लिनिक का शुभारंभ किया गया।

बैठक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पटना साहिब निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रविशंकर प्रसाद रविवार को लोकसभा चुनाव के लिए पटना जिले के संपतचक में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

दुखा दे दिल..

दुखा दे दिल जो किसी का वो राग मत रखना,
जला दे घर जो किसी का वो आग मत रखना।

तुम्हें ही कर दे खड़ा कटघरे में ले जाकर,
कभी किसी के लिए वो सुराग़ मत रखना।

तमाम उम्र मुहब्बत में अपने दामन से
मिटा सको न जहां में वो दाग़ मत रखना।

सदा सँभाल के रखना निगाह में अपनी
हवा के वास्ते जलता चिराग़ मत रखना

उसे पता ही नहीं ग़ैर कौन है अपना
ज़हर तुम्हीं पे उगल दे वो नाग मत रखना।

कोई किसी का नहीं होता इस ज़माने में
किसी के वास्ते 'नवरंग ' विराग मत रखना।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

देश के युवाओं के लिए अग्निवीर से आकर्षक कोई योजना हो ही नहीं सकती: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि युवाओं के लिए इससे अधिक आकर्षक कोई योजना हो ही नहीं सकती, क्योंकि यह चार साल के बाद सेवानिवृत्त होने वाले 'अग्निवीरों' केलिए सशेबलों , पूर्णकालिक सरकारी नौकरी की गारंटी देती है।

शाह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें जन्होंने 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर इस अल्पकालिक भर्ती योजना को खत्म करने का वादा कियाहै। शाह ने के लिए नौकरी के अवसर उनहीं स ंख्या से साढ़े गुना राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने जोर देकर कहा, ''देश के युवाओं के लिए अग्निवीर से आकर्षक कोई योजना हो ही नहीं सकती। बहुत सोच समझकर यह योजना लाई गई है।''

शाह ने कहा कि अल्पकालिक भर्ती योजना से सशस्त्र बलों के कर्मियों की औसत आयु में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर रक्षा बलों के तुलनात्मक अध्ययन से पता चलता है कि भारत में औसत आयु बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा, ''सिर्फ यही नहीं (आरक्षण), उनको आयु में छूट दिया गयाहै। फिजिकल फिटनेस के टेस्ट में छूट शिक्षित रहेंगे। इस तरह

चार साल में सेवानिवृत्त होने वाले 75 प्रतिशत लोगों के लिए आरक्षित स्थान (रोजगार) 7.5 गुना अधिक होगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या यह गारंटीहै, शाह ने कहा, ''अगर वे शामिल होना चाहते हैं, तो यह गारंटीहै। कोई बाध्यता नहीं है। मैं आपसे तथ्यों और आंकड़ों के साथ बात करूंगा। 25 फीसदी को तो सैन्य बलों , समाहित कर लिया जाएगा। शेष 75 फीसदी के लिए भाजपा शासित सभी राज्यों , पुलिस बेडे की रचना में आरक्षण किया गयाहै। सभी सीएपीएफ में आरक्षण यानी केंद्रीय गृह मंत्रालय की नौकरियों , आरक्षण। उन्हें ग्रे?युटी औरपेंशन जैसे सभी उचित लाभों के साथ पूर्णकालिक नौकरियां मिलेंगी। अब मुझे बताइए कि नुकसान कहां है?'' उन्होंने कहा , ''यह 58 साल तक सरकारी नौकरी की गारंटीहै।''

कांग्रेस इस योजना की आलोचना कर रही है और कह रही है कि यह सशस्त्र बलों , शामिल होने के इप्रपुक युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाती है, क्योंकि उन्हें थोड़े कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है। पार्टी ने इसे खत्म करने का वादा किय ाह।

इस मुद्दे के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर सहित अन्य वादों के लिए भी कांग्रेस का मजाक उड़ाया।

जीएसटी के मुद्दे पर मुखर रहे गांधी पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा, ''वह (गांधी) इसे लूट कहते हैं। आप संसद में पारित भी कोई उन्हें सलाह तक नहीं द्वारा उपभोग की जाने वाली विलासिता की वस्तुओं और गरीबों के लिए उपयोगी चीजों पर एक ही पर पांच फीसदी और मर्सिडीज पर 28 फीसदी टैक्स है। क्या दोनों पर समान रूप से कर लगाया जाना चाहिए? राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए। गरीब महिलाओं द्वारा हाथ से बनाई गई अगरबत्ती पर पांच प्रतिशत कर लगाया जाता है और एसी पर 28 फीसदी टैक्स लगता है। क्या दोनों पर समान दर से कर लगाया जाना चाहिए।''

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.